मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- दिन-

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3201 से 3300

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3201

दिनांक- 15.10.2021 दिन-शुक्रवार

दशहरा

बुराई पर अच्छाई की जीत का,
चलो मिल पर्व मनाएँ हम।
रावण पर राम की विजय का,
दशहरा पर्व मिल मनाएँ सब।।

भक्त बहुत था जो शिव का,
रावण नाम से जानते सब।
किया प्रसन्न शिव को जब,
दशानन का वरदान पाया तब।।

अभिमान आ गया मन में जब,
हरण किया सीता का तब।
जली लंका धू-धू सब,
राक्षस हुए तब व्याकुल सब।।

वानरों का ले साथ तब,
युद्ध किया राम ने गज़ब।
काटे दसों सिर राम ने तब,
किया रावण का अन्त तब।।

रचना
सुप्रिया सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ
9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3202

दिनांक- 15/10/2021 दिन- शुक्रवार

विजयदशमी
(दशहरा)

अश्विन मास की शुक्ल पक्ष,
की थी तिथि दशमी।
श्री राम ने पाई विजय रावण पर,
तब से कहलायी विजयदशमी।।

अन्य कथा में माँ दुर्गा ने,
नौ रात्रि एवं दस दिन की।
युद्ध अवधि उपरांत महिषासुर का,
वध कर धर्म और सत्य की रक्षा की।।

त्यौहार ये असत्य पर सत्य का,
बुराई पर अच्छाई की विजय का।
प्रतीक ये छल, कपट, पाप के नाश का,
अधर्म पर धर्म की विजय का।।

ज्ञानी होकर भी रावण ने,
निज गरिमा को त्यागा।
भूला नारी के सम्मान को,
अभिमानी मद में आकर न जागा।।

नाश हुआ सम्पूर्ण कुल का,
जला रावण रूपी पाप-अधर्म।
अवसान हुआ बुरे कर्म का,
यही इस पर्व का मर्म।।

रचना

रचना रानी शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8), नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3203

दिनांक- 15/10/2021 दिन- शुक्रवार

ग्लोबल हैण्डवॉश डे

15 अक्टूबर ग्लोबल हैण्डवॉश डे,
के रूप में मनाया जाता है।
हाथों को धोकर संक्रमण से,
बचने का उपाय किया जाता है।।

कोरोना से डटकर लड़ना है तो,
हाथों को बार-बार साबुन से धोना है।
सभी बीमारियों को दूर भगाना है,
हाथ धुलाई का सही तरीका अपनाना है।।

भोजन से पहले और खेलने के बाद,
बाहर से आने और शौच के बाद।
नियमित अच्छे तरीके से धोएँ अपने हाथ,
साबुन या हैण्डवाश से दें बीमारियों को मात।।

आज ही नहीं प्रतिदिन हमें,
हैण्डवॉश डे निष्ठा से मनाना है।
कर के हाथों की भरपूर सफाई,
अपना जीवन स्वस्थ्य बनाना है।।

रचना- रीना कुमारी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3204

दिनांक- 15/10/2021 दिन- शुक्रवार

दिशाओं का ज्ञान

आओ बच्चों सीखें सब,
मिलकर दिशाओं का ज्ञान।
कुल चार दिशाएँ होती हैं,
पूरब, पश्चिमी, उत्तर, दक्षिण ॥

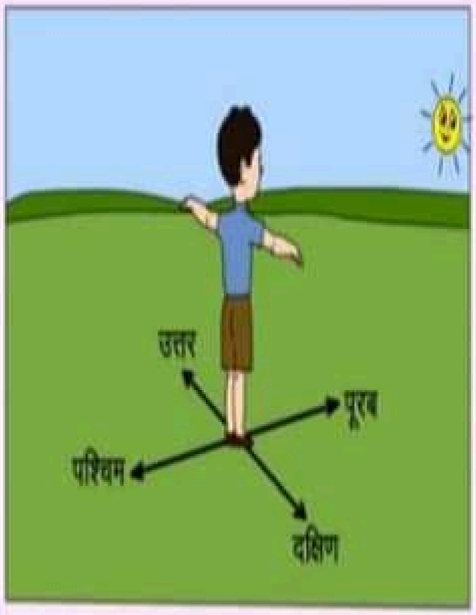

सुबह सवेरे जो तारा चमचमाता,
देता प्रकाश सूर्य वो कहलाता।
सूर्य से हो जाती दिशाओं की पहचान,
देखो बच्चों ये विधि है कितनी आसान ॥

सूरज जिस दिशा में निकलता,
पूरब दिशा का ज्ञान हो जाता।
सूरज जिस दिशा में छिपता,
पश्चिम दिशा का पता लग जाता ॥

मुख सामने सूर्य के करने पर,
बाएँ ओर उत्तर दिशा मिल जाती।
सीधा हाथ से कलम चलाने पर,
दाएँ ओर दक्षिण दिशा मिल जाती ॥

रचना-
फराह नाज़ (स०अ०)
प्रा० वि० आलमपुर,
जगत, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3205

दिनांक- 15-10-2021 दिन- शुक्रवार

दुर्गा पूजन

नवरात्रि के नौं दिन,
माँ दुर्गे की होती पूजा।
मनवांछित फल देने वाली,
इनके जैसा कोई ना दूजा।।

नौं देवी के नौं रूपों में,
दुर्गे मैया पूजी जातीं।
हिमालय के घर थीं जन्मी,
इसीलिये शैलपुत्री कहलाती।।

चौकी पर लाल वस्त्र बिछायें,
ऊपर केसर तिलक लगायें।
लाल रंग माँ को अति प्रिय,
लाल पुष्प से श्रृंगार करायें।।

जाप करें फिर दुर्गा चालीसा,
लाल पुष्प हाथों में उठायें।
अर्पित कर यह लाल पुष्प फिर,
हलुआ चना का भोग लगायें।।

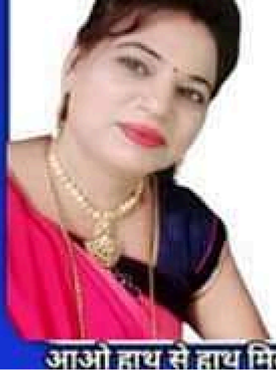

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

रचना

हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

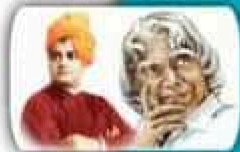

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3206

दिनांक- 15/10/2021 दिन-शुक्रवार

पावन पर्व

है अधर्म पर विजय धर्म की,
पापों का हुआ संहार।
विजयादशमी पर्व है पावन,
मर्यादाओं का सत्कार।।

अहंकार के पुतले, मानी,
रावण का हरने अभिमान।
लाज बचाने निज भक्तों की,
आये थे प्रभुजी श्री राम।।

ज्ञानी परम था रावण फिर भी,
अहंकारी और था अन्यायी।
अनचार और क्रोध ज्वाल में,
स्वयं की लंका थी जलवायी।।

पाप, क्रोध, मद, मोह, लोभ,
आलस, हिंसा और अहंकार।
चोरी, मत्सर दस शत्रुओं का,
करे नाश ये शुभ त्योहार।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3207

दिनांक- 15/10/2021 दिन- शुक्रवार

धर्म की जीत

आश्विन मास शुक्ल पक्ष,
विजयादशमी मनाया जाये।
धर्म की अधर्म पर जीत की,
अनन्त कहानियाँ दोहराए।।

दुष्ट महिषासुर राक्षस का,
जब पाप का घड़ा भरा।
माँ दुर्गा ने दशमी तिथि को,
महिषासुरमर्दिनी रूप धरा।।

रामावतार में जब रावण ने,
सीता मैया का हरण किया।
शुभ तिथि विजयादशमी को,
राम ने रावण का वध किया।।

अविस्मृत कथानकों का,
सार सदैव यही रहा।
बुराई की हो हार सदा,
अभिमान अधर्म का नहीं रहा।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी- 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3208 **दशहरा** दिनांक- 15/10 /2021 दिन- शुक्रवार

आज दशहरे को घड़ी आयी,
झूठ पर सत्य की जीत है भाई।
रामचन्द्र जी ने रावण को मारा,
तोड़ दिया अभिमान भी सारा।।
आज दशहरे की घड़ी आयी,
झूठ पर सत्य की जीत है भाई।
एक बुराई रोज हटाओ,
और दशहरा रोज मनाओ।।
आज दशहरे की घड़ी आयी,
झूठ पर सत्य की जीत है भाई,
आओ दशहरा रोज मनाओ।
बुराई पर अच्छाई की जीत पाओ।।

रचना- वैष्णवी ममगाई (छात्रा)
कक्षा- 5
रा० प्रा० वि० वीड
ब्लॉक- चम्बा, टिहरी गढ़वाल

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3209

दिनांक- 15-10-2021

दिन- शुक्रवार

कलयुगी रावण

रावण नही कोई व्यक्ति वो तो है एक विचार,
नष्ट हों समाज में फैले भाँति-भाँति के व्यभिचार।
जला के पुतले जगह-जगह मने दशहरा हर बार,
क्यूँ न कुछ संकल्प सहित मनाएँ दशहरा इस बार।।

कलयुगी रावण ने वेश कई लिए हैं धार,
औरों में मिलता आसानी से, कोई न देखे खुद में यार।
खुद के जी को ले सम्भाल देख परायी चीज़, परायी नार,
लोभ, मोह, क्रोध का करो त्याग एक बार।।

कोई गिरा कहीं तो उसे सहारा दीजिए,
आगे बढ़ने की होड़ में किसी को गिरा न दीजिए।
छोटी-छोटी अच्छाई खुद में जोड़ते चलें,
मिलजुलकर खुशी से त्योहार मनाइए।।

सच में विजय हासिल होगी, जीतोगे जीवन का रण,
हर अँधेरे को चीर देगी आशा की एक किरण।
आओ प्रण करें ऐसे मनाएँ दशहरे का त्योहार,
अपने भीतर की बुराई मिटा दें इस बार।।

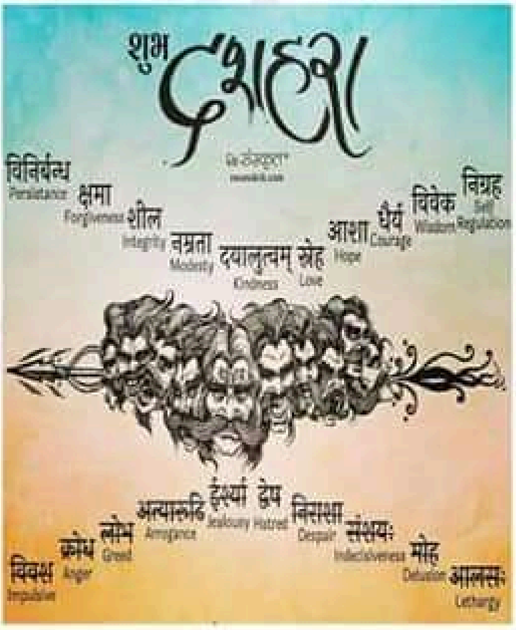

रचना
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3210

दिनांक- 15/10/2021 दिन- शुक्रवार

उन्हीं के लिए तो हम हैं

उन्हीं के लिए तो हम हैं,
गर वो ना हो तो क्या हम हैं।
यदि लगे सोचने सब यही दुनियां में,
तो उनके जीवन में ना कोई गम है।।

कुछ हालात उनके, कुछ लापरवाही हमारी,
ला देती उनके जीवन में अँधेरा।
थोड़ी सी यदि हम कोशिश कर लें,
तो हो जाए उनके जीवन में भी सवेरा।।

माना उनके परवरिश-संस्कार सब हैं अलग,
पर विद्यालय में तो माहौल उन्हें हमें ही देना है।
उनकी गलती नहीं उन्होंने गरीबी में जन्म लिया,
हमारा कर्तव्य सिर्फ उन्हें शिक्षा देना है।।

जिस दिन मैं उन्हें कुछ सिखा ना दूं,
उस दिन मुझे सुकून नहीं आता।
उनका समय सिर्फ उन्हीं को देना,
आओ शिक्षक साथी करें खुद से ये वादा।।

रचना-
आरज़ू पाण्डेय (स०अ०)
प्रा०वि०शीतलपुर
जनपद एटा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3211

दिनांक- 16-10-2021 दिन-शनिवार

प्यारा विद्यालय

विद्यालय का प्यारा परिवेश,
सुन्दर छवि और सुन्दर वेश।
यह ज्ञान-ध्यान का है स्थल,
जीवन का उत्तम हो हर कल।।

कोरे से भी कोरा कागज़
स्वर्णिम अक्षर से भर जाए।
जो अर्जन कर ले ज्ञान-ध्यान से,
वह कभी नहीं कोरा जाए।।

है विविध विषय का ज्ञान यहाँ,
मिलती अपनी पहचान यहाँ।
संस्कृतियों का होता है पोषण,
हो सदाचार गुणगान यहाँ।।

बच्चों बिन सूना यह उपवन,
यह फूलों की सुन्दर डाली।
इस बगिया के यह नव अंकुर हैं,
हम शिक्षक हैं इनके माली।।

रचना
पूनम देवी (शि०मि०)
कम्पोजिट० वि० मकनपुर
लहरपुर, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3212

दिनांक- 16-10-2021 दिन- शनिवार

आशीष (जन्मदिवस)

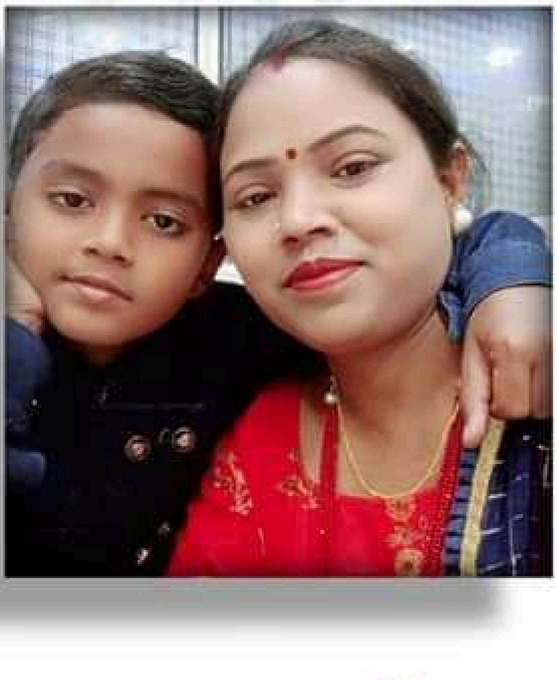

जीवन में खुशियों का भण्डार,
संग अपने लेकर आये अपार।
हृदय से मेरे जुड़ गया तार,
पूर्ण हुआ मेरा घर-संसार ।।

जन्मदिवस की बेला आयी है,
हृदय में अति खुशी समायी है।
प्रगति मिले यही आस लगायी है,
बेटा दिल की यही सच्चाई है।।

आज यही तुम्हें आशीष मिले,
काँटो की राह पर फूल खिलें।
दूर हो जाएँ सब शिकवे-गिले,
उन्नति के चलते रहें सिलसिले।।

मिले ज्ञान का सागर सारा,
वीणापाणि करें कृपा अपारा।
सच्ची राह दिखाना काम हमारा,
जग में ऊँचा हो नाम तुम्हारा।।

रचना
गीता देवी (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मल्हौसी
बिधूना, औरैया

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ
9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3213

दिनांक- 16.10.2021 दिन- शनिवार

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम

जीवन दर्शन श्री राम का,
देता हमें यही सन्देश सदा।
परिस्थिति सम हो या विषम,
मत छोड़ो साथ मर्यादा का।।

मन में धारण करो धैर्य,
सहनशीलता जीवन में लाओ।
प्रेम, करुणा, दया, सद्भाव सँग,
सबके दिलों में बस जाओ।।

हो अन्याय और अधर्म कहीं,
चुपचाप मत सहते जाओ।
धर्म स्थापना हेतु बन जनरक्षक,
क्षत्रिय बनकर शस्त्र उठाओ।।

मानव का सब जीवो से नाता,
सब प्राणियों से प्रीत लगाओ।
सद्व्यवहार और सत्कर्म कर,
नित्य प्रेम के दीप जलाओ।।

अपनाकर आदर्श श्रीराम के,
नव आशाओं के दीप जलाएँ।
बुराई को हराकर अच्छाइयों से,
विजयदशमी पर्व मनाएँ।।

रचना
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3214

दिनांक- 16/10/2021 दिन- शनिवार

राम या रावण

जहाँ जलती है बुद्धि की आग,
रोशन होते हैं अक्ल के चिराग।
जहाँ विवेक रहता है शान से,
उसी को कहते हैं हम दिमाग।।

क्या अच्छा है क्या बुरा है,
यह दिमाग सिखलाता है।
जीवन पर नियन्त्रण रख,
राम-सा चरित्र बनाता है।।

सकारात्मक ऊर्जा हो तो,
व्यक्ति राम बनकर दिखाता है।
हो नकारात्मक ऊर्जा का नियन्त्रण ,
तो रावण-कंस बन जाता है।।

पूनम गुप्ता "कलिका" (स० अ०)
प्रा०वि० धनीपुर,
धनीपुर, अलीगढ़

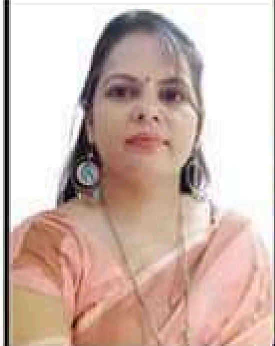

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3215

दिनांक- 16-10-2021 दिन- शनिवार

🙏 जय श्री राम 🙏

रावण का अहंकार मिटाने,
मर्यादा की सीख सिखाने।
प्रकट हुए थे प्रभु श्री राम,
उनको कोटि-कोटि प्रणाम।।

पिता थे राजा दशरथ,
थी कौशल्या मैया।
भरत, शत्रुघ्न और लक्ष्मण,
इनके प्यारे भैया।।

शिव के महाधनुष को तोड़ा,
सीता जी से नाता जोड़ा।
कैकई ने माँगे वरदान,
भरत को राज्य, वन को राम।।

पथराई अहिल्या को तारा,
अत्याचारी रावण को मारा।
जानकी सँग फिर लौटे राम,
उनको है कोटि-कोटि प्रणाम।।

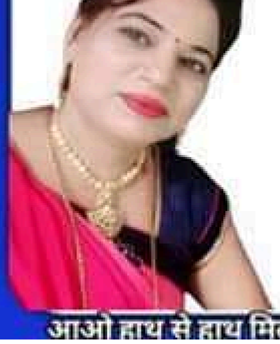

रचना
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3216

दिनांक- 16-10-2021 दिन- शनिवार

दशहरा

आओ खुशियों के दीप जलाएँ,
दशहरे का त्योहार मनाएँ।
मिटाएँ मलीनता का अँधियारा,
फैलाएँ अच्छाई का उजियारा।।

हुयी थी आज के दिन रावण पर
श्री राम की अतुलनीय जीत।
रामराज्य का आरम्भ हुआ,
बने सभी एक-दूजे के मीत।।

टूटा दम्भ रावण का जैसे,
वैसे ही हम दम्भ को तोड़े।
हर रावण का विनाश कर,
अपने अन्दर के रावण को छोड़े।।

बुराई पर अच्छाई की जीत का,
प्रतीक त्योहार दशहरे का अनोखा।
जन-जन को एक सूत में जोड़े,
दीवारें नफरत की तोड़े।।

रचना
दीप्ति राय (दीपांजलि) (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रायगंज
खोराबार, गोरखपुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3217

दिनांक- 16/10/2021 दिन- शनिवार

पावन दशहरा

आ गया दशहरे का त्योहार,
मिल गयीं ख़ुशियाँ भी अपार।
मिलेंगे गले मनाएँगे त्योहार,
जलाएँगे रावण को फिर एक बार।।

बुराई पर होगी अच्छाई की जीत,
गाएँ सब मिलकर ये गीत।
अहंकार झूठ का टूटेगा,
करें मिलकर सत्य से प्रीत।।

रावण था राजा एक ज्ञानी,
लेकिन था वह अभिमानी।
राम ने तोड़ा उसका अभिमान,
पायी उसपे जीत महान।।

मार्ग राम ने सच का दिखाया,
पाठ सत्य का सदा सिखाया।
विजयदशमी में हारी बुराई है,
दशहरा का अर्थ करना भलाई है।।

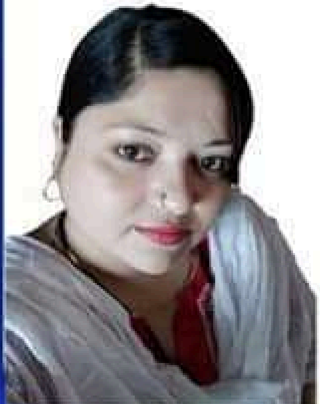

रचना
निकहत रशीद (स०अ०)
उ० प्रा० वि० निवाइच
तिन्दवारी, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3218

दिनांक- 16/10/2021 दिन- शनिवार

नवरात्रि

काश! हर किसी की सोच ऐसी होती,
हर सुबह नवरात्रि के बाद सी होती।
काश! ऐसी कद्र इनकी हमेशा होती,
हर किसी की नजर में बेटियाँ पूजनीय होतीं।।

ऐसी भावना हर एक के दिलों में होती,
बेटियों की कद्र करो वो भी जीना चाहती हैं।
कभी बहन तो कभी पत्नी बनकर,
हर रिश्ते को खूबसूरती से निभाना चाहती हैं।।

न होता कभी इन पर दुराचार,
हर कोई यूँ निभाए अपना किरदार।
हर लड़की को हर लड़के में,
अपना भाई आये नजर में।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-
दमयन्ती राणा (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० ईड़ाबधाणी
ब्लॉक- कर्णप्रयाग, चमोली

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3219

दिनांक-18/10/2021 दिन-सोमवार

दशहरा मनाओ

दशहरा मनाओ,
झूमो और गाओ।
झूठ पर सत्य की,
विजय कर जाओ।।

राम सत्य का अवतार,
रावण का किया संहार।।
सच्चाई की जीत हुई,
झूठ गया फिर से हार।।

बच्चों मन में ठान लो,
सत्य को तुम मान लो।
यही है जीवन का आधार,
मेहनत को पहचान लो।।

मेहनत का जरूर फल मिलेगा,
आज नहीं तो कल मिलेगा।
कर खुद पर विश्वास इतना,
उम्मीदों का सूरज निकलेगा।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना

भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० पिपरी नवीन,
मिश्रिख, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3220

दिनांक- 18/10/2021 दिन- सोमवार

दहेज

नुक्कड़ नाटक, चौराहों पर,
गली-गली, आकर समझाया।
ज्ञान की बातें, आईं समझ में,
कुछ लोगों ने, ये अपनाया।।

दहेज लेना, बन्द करो अब,
बहुत हो चुकी, निज मनमानी।
लड़का-लड़की, जब हैं समान,
कन्या पक्ष को, न दें परेशानी।।

सुता भी देते, धन भी साथ,
बराबर का, नहीं है इन्साफ।
माँग रखने वाले, भिखारी,
जिनकी नीयत, नहीं है साफ।।

बेटियाँ है, देवी का रूप,
निज घर सा, सजाती ससुराल।
अपने को, अनुरूप ढालकर,
परिवार को, करती खुशहाल।।

रचना-
ऋषि कुमार दीक्षित(स०अ०)
प्रा०वि०भटियार
निधौलीकलां, एटा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3221

दिनांक- 18/10/2021 दिन- सोमवार

क्या होती हैं बेटियाँ

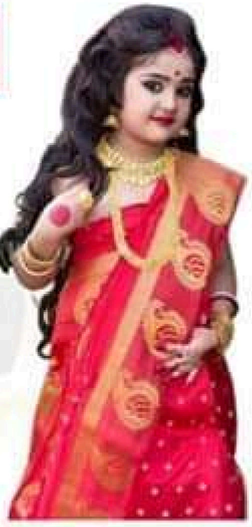

माँ बाप की राजदुलारी,
घर की गूंजती किलकारी।
हर मुश्किल को हरने वाली,
खुदा की नेमतें होती हैं बेटियां॥

भाई की रक्षा करने वाली,
पति का साथ देने वाली।
घर को स्वर्ग बनाने वाली,
अपना हक पाने की हकदार हैं बेटियाँ॥

देवी की अदृश्य प्रतिमूर्ति सी,
गंगाजल की तरह पावन सी।
प्रकृति में निश्चल नि:स्वार्थ सी,
विश्वास की आधारशिला होती हैं बेटियाँ॥

संघर्षो में पली बढ़ी होती हैं बेटियाँ,
तूफानों के आगे डटी रहती हैं बेटियाँ।
मजबूत इरादों की चट्टान बनकर,
कमजोर नहीं शक्ति का रुप होती हैं बेटियाँ॥

रचना -
प्रियंका सक्सेना (स०अ०)
प्रा० वि०- बैरमई खुर्द
वि० क्षे०- अम्बियापुर
बिल्सी, बदायूं

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3222

दिनांक- 18/10/2021 दिन- सोमवार

पावन दशहरा

असत्य पर सत्य की,
जीत का गर्व।
कहलाता इस जग में,
विजयादशमी पर्व।।

हो अधर्मी बलशाली,
या प्रकाण्ड विद्वान।
धर्ममार्गी के सम्मुख,
हो जाता धूरि समान।।

मायावी राक्षस रावण,
बीस भुजा दस शीश।
पुरुषोत्तम प्रभु राम ने,
काट दिए सब शीश।।

अधर्म पर धर्म की,
विजय का त्यौहार।
हर्षोल्लास से मनाते,
दशहरा हर बार।।

रचना
हरवंश श्रीवास्तव (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बंशीडेरा
तिन्दवारी, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3223

दिनांक- 18/10/2021 दिन- सोमवार

विजयदशमी का त्योहार

सत्य की असत्य पर जीत का,
पावन पर्व है यह त्योहार।
भगवान राम की रावण पर,
जीत का प्रतीक है यह त्योहार।।

काम, क्रोध, लोभ, मोह छोड़कर,
हम सब अपनाएँ सत्य का राह।
बढ़े निरन्तर प्रगति के पथ पर,
कभी ना छोड़े सत्य की राह।।

कितनी भी हो कठिन डगर पर,
जीत सदैव सत्य की होती है।
राह भरी हो काँटो से फिर भी,
अन्त में मंजिल सुखद होती है।।

हम सभी अपने जीवन में,
श्रीराम के गुणों को अपनाए।
उच्च आदर्शों से भर ले मन को,
विजयदशमी का त्योहार मनाए।।

रचना -
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

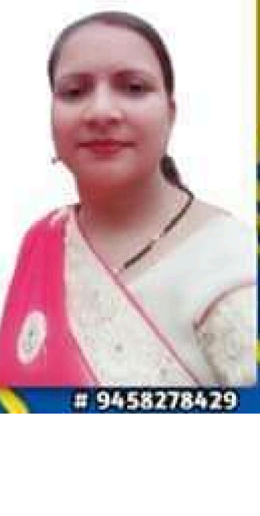

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3224

दिनांक-18/10/2021 दिन- सोमवार

मैं मनाऊँ दशहरा

हे मेरे अन्तर्मन के राम,
उठाओ अपने धनुष बाण।
हर लो मेरे दस विकार,
मैं मनाऊँ दशहरा त्योहार।।

राग-द्वेष, ईर्ष्या, अहंकार,
क्रोध राक्षस मार रहा फुंकार।
लोभ, लालच करते विवश,
शान्ति मन की हरते प्रतिपल।।

माया के मोहपाश में,
वासना के भँवर जाल में।
भटक जाता है मन मेरा,
स्वार्थ ने है मुझे घेरा।।

दया करो हे दीनदयाल!
आपकी कृपा मैं पा जाऊँ।
हर लो मेरे सभी विकार,
रोज दशहरा मैं मनाऊँ।।

रचना-
भागीरथी पाण्डे (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० परमा,
ब्लॉक- हल्द्वानी, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3225

दिनांक- 18/10/2021 दिन- सोमवार

मेरे जीवन की चाव

असत्य के छोड़ रास्ते,
सदा सत्य की राह चुनें ।
नही पराजित कभी सत्य हो,
इस पर ही विश्वास करें ।।

अन्यायी हो सदा पराजित,
न्याय और विश्वास चुनें।
भारतवर्ष के सारे उत्सव,
प्रेम और उत्साह से मनें।।

अहंकार को तज करके,
मर्यादा को अपनायें।
संस्कार व संयम अपना करके,
मर्यादा पुरुषोत्तम बन जाएँ।।

रखो सदा तुम नेक इरादे,
दिल में प्रेम, दया का भाव,
जीवन सुखमय हो हम सबका,
यही मेरी जीवन की चाव ।।

रचना

शुभा देवी (स०अ०)
उ०प्रा०वि०अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3226

दिनांक- 18/10/2021 दिन- सोमवार

शिक्षक

हम स्कूल रोज है जाते,
शिक्षक हमको पाठ पढ़ाते।
दिल बच्चों का कोरा कागज,
उस पर ज्ञान अमिट लिखवाते।।

जाति धर्म पर लड़े ना कोई,
करना सबसे प्रेम सिखाते।
हमें सफलता कैसे पानी,
कैसे चढ़ना शिखर बताते।।

सच तो यह है स्कूल में,
अच्छा एक इन्सान बनाते।
अच्छाई-बुराई में अन्तर करना,
यह सब शिक्षक ही समझाते।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना- कु० अकांशी (छात्रा)
कक्षा-8
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3227

दिनांक- 18.10.2021 दिन- सोमवार

शरद पूर्णिमा

यूँ तो पूर्णिमा पर चाँदनी चाँद की,
निशा का रूप-सौंदर्य बढ़ाती है।
पर शरद पूर्णिमा पर चाँदनी चन्द्र की,
नील गगन से अमृत बरसाती है।।

औषधीय तत्वों से भरपूर चाँदनी,
शरीर को रोगों से मुक्ति दिलाती है।
निहारते रात्रि में जब सौंदर्य चाँद का,
नयनो को नव रोशनी मिल जाती है।।

प्रेम रस में झूमती, इठलाती गोपियाँ,
सोलह श्रृंगार कर रूप सौंदर्य बढ़ाती हैं।
करो हरि दूर, विरह-वियोग की पीडा,
ठाकुर जी से अरदास लगाती हैं।।

गोपियों भक्तों के भक्तिभाव से,
श्री हरी वृन्दावन धाम दौड़े चले आते हैं।
शीतल चाँदनी के आलौकिक प्रकाश में,
राधा रानी, गोपियों संग महारास रचाते हैं।।

रचना
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढाएँ

9458278429

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3228

दिनांक- 19/10/2021 दिन- मंगलवार

शब्द

शब्द आदि है,
शब्द अन्त है।
शब्द असुर है,
शब्द सन्त है।।

शब्द भूल है,
शब्द शूल है।
शब्द ही सहारा,
शब्द फूल है।।

शब्द मान है,
शब्द सम्मान है।
शब्द प्रंशसा है,
शब्द अपमान है।।

शब्द ही विष है,
शब्द ही अमृत।
शब्द से ही,
सब जीवन सिंचित।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर (1-8)
परीक्षितगढ़, मेरठ

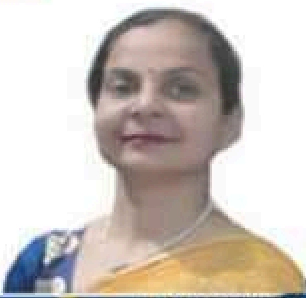

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3229

दिनांक- 19/10/2021 दिन- मंगलवार

खेलों के प्रकार

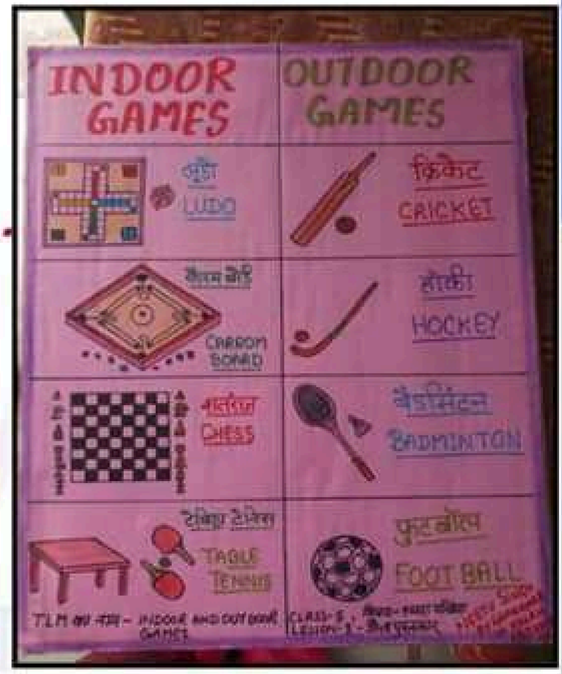

तर्ज-आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ झाँकी.....

आओ बच्चों तुम्हें बताएँ,
खेलों के प्रकार हम।
इंडोर खेलें घर के अन्दर,
बाहर खेलें आउटडोर हम।।
इंडोर-आउटडोर, इंडोर-आउटडोर..

इंडोर खेल कम जगह में,
घर में खेले जाते हैं।
मानसिक रूप से अधिक सक्रिय,
शान्त वातावरण चाहते हैं।
टेबल-टेनिस, शतरंज, कैरम,
लूडो खेलें शान से हम।।

आउटडोर खेल स्वास्थ्य की,
दृष्टि से हितकारी होते हैं।
उछल-कूद कर खेले जाते,
खुला वातावरण चाहते हैं।
क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, कबड्डी,
खेलें लगा के जान हम।।

नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा०वि० समोखर
निधौलीकलां, एटा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3230

दिनांक- 19/10/2021 दिन- मंगलवार

भौतिक व रासायनिक परिवर्तन

दैनिक जीवन में हम देखें,
बहुत से परिवर्तन।
इसमें शामिल हैं भौतिक,
और रासायनिक परिवर्तन।।

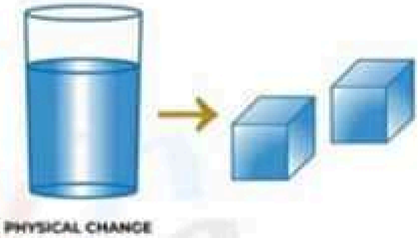

भौतिक परिवर्तन में पदार्थ,
बदले अपना रूप है।
नया पदार्थ न बनकर,
पुनः प्राप्त करे मूल रुप है।।

रासायनिक परिवर्तन में,
नया पदार्थ बनता है।
कितना भी कर लो प्रयास,
मूल रूप नहीं प्राप्त करता है।।

जमना बर्फ, मोम पिघलना,
भौतिक परिवर्तन कहलाता है।
दही का जमना, दूध का फटना,
रासायनिक परिवर्तन माना जाता है।।

रचना-

नौरीन सआदत (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रिसौरा
महुआ, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3231

दिनांक- 19.10.2021 दिन-मंगलवार

रिमझिम वर्षा

इस वर्ष सावन कुछ ऐसे बरसा,
रुकने का नाम नहीं ले रही वर्षा।
सावन के मौसम में तो तरसे,
बिन मौसम के मेघा बरसे।।

पानी इतना बरस रहा है,
देख कर दिल डर रहा है।
क्या गलती कर बैठा इंसान,
जलधार अब रोको भगवान।।

नाली परिवर्तित हुई नालों में,
नाले नदियाँ बन गये हैं।
गली-मोहल्ले, घर-आँगन,
सब जलमग्न हो गये हैं।।

करो कृपा हे मालिक हम पर,
और वर्षा ना करो जमीन पर।
सूर्यदेव दर्शन दिखा दो हमको,
घनघोर वर्षा से बचा दो सबको।।

रचना
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3232

दिनांक- 19/10/2021 दिन- मंगलवार

माटी का खिलौना

माटी का खिलौना,
छोटा सा खिलौना।
प्यारा सा खिलौना,
खेले साथ मौना।।

लाल रंग का बोना,
जाने ना जादू-टोना।
माटी का खिलौना,
संग बच्चों का होना ॥

मोटू सा खिलौना,
लाल रंग है पहना।
ज़ोर ज़ोर से रोता,
वह माटी का खिलौना।।

मन भाए खिलौना,
गोलमटोल खिलौना।
सुंदर सा खिलौना,
मोटू सा खिलौना ॥

रचना-
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० ख़ंजनपुर
इस्लामनगर, बदायूँ

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3233

दिनांक- 19/10/2021 दिन- मंगलवार

प्रकृति का सौन्दर्य

चारों ओर हरियाली ही हरियाली,
मेरे मन को भाती है।
प्रकृति की अनुपम छटा,
हमें भी कुछ सिखलाती है।।

किनारे रंग-बिरंगे फूल,
नदी की कल-कल सुनते हैं।
सूरज की सुनहरी रोशनी में,
झूम-झूम कर गाते हैं।।

वन उपवन में पक्षी भी,
अपने गीतों को गाते हैं।
हवा के सुरों के साथ,
वे अपना सुर भी मिलाते हैं।।

मन मेरा कहता है,
मैं भी कुछ ऐसा कर दूँ।
कुछ अपने ही रंगों से भी,
प्रकृति का सौन्दर्य बढ़ा दूँ।।

माधव सिंह नेगी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० जैली,
ब्लॉक- जखोली, जनपद- रुद्रप्रयाग

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3234

दिनांक- 19.10.2021 दिन- मंगलवार

सर्वनाम

संज्ञा के स्थान पर,
शब्द प्रयुक्त होते हैं जो।
कहलाते हैं वे सर्वनाम,
शब्द हैं ये सारे आम।।

सर्व और नाम से जो मिलकर,
शब्द बना सर्वनाम है वो।
अर्थ जिसका सबका नाम,
प्रयुक्त होता नाम के स्थान।।

किसी एक का न होकर,
सबके होते हैं नाम जो।
होते सबके द्वारा प्रयुक्त,
व्यक्ति विशेष का न अधिकार।।

संज्ञा की पुनरावृत्ति रोककर,
वाक्य सौंदर्ययुक्त बनाता जो।
मैं, तुम, ये-वे, सो-जो, हम,
इस-उस, कोई-कौन, आप जो।।

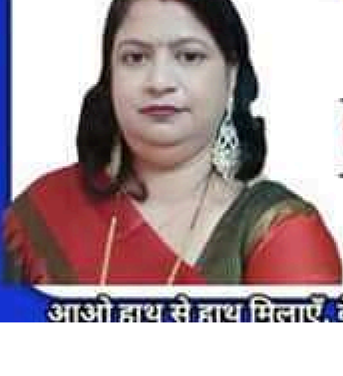

रचना

सुप्रिया सिंह (स०अ०)
क० वि० बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3235

दिनांक-19-10-2021 दिन- मंगलवार

जिज्ञासु बनो

बच्चों, उच्च गगन को देखो,
असंख्य सितारों को देखो।
अन्धकार आवरण दूर करो,
जिज्ञासु बन कर रहा करो।।

रक्त लाल क्यों होता है?
कहाँ से तेल आता है?
भोजन पचता है कैसे?
जल्दी याद होता है कैसे?

प्रश्न ऐसे मन में आये,
उत्तर फिर ढूँढा करो।
न मिले तुम्हे तो उत्तर,
गुरुजनों से पूछा करों।।

अन्धविश्वास पास न फटकेगें,
जीवन सुमन सुवासित होंगे।
नही व्यर्थ गप्पबाजी हो,
इक-इक क्षण उपयोगी हो।।

रचना
प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
उ० प्रा० वि० वीरपुर छबीलगढ़ी
जवाँ,अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3236

दिनांक- 19/10/2021 दिन- मंगलवार

हाथों को धोना-बहुत ज़रूरी

हाथों को धोना है,
बहुत ज़रूरी-बहुत ज़रूरी।
हाथों को धोना है,
बहुत ज़रूरी-बहुत ज़रूरी।।

सुबह को धोना, शाम को धोना,
बाहर से आओ तब धोना।
बहुत ज़रूरी-बहुत ज़रूरी,
बहुत ज़रूरी-बहुत ज़रूरी।।

खाने से पहले भी धोना,
खाने के तुम बाद भी धोना।
बहुत ज़रूरी-बहुत ज़रूरी,
बहुत ज़रूरी-बहुत ज़रूरी।।

बीमारी से बचना है तो,
हाथों को धोना है।
बहुत जरूरी-बहुत ज़रूरी,
बहुत ज़रूरी-बहुत ज़रूरी।।

रचना - प्रतिभा यादव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
पुवॉरका, सहारनपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढाएँ

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3237

दिनांक- 20.10.2021 दिन- बुधवार

चिड़िया का बच्चा

एक नन्हा चिड़िया का बच्चा,
आसमान को ताके।
और कभी गर्दन मटकाकर,
पत्तों में से छाँके।।

उड़ना चाहे नील गगन में,
करना चाहे सैर।
मन में थोड़ा डर बैठा है,
पर रूकते न पैर।।

माँ से बोला मैं भी दूर,
गगन में उड़ना चाहूँ।
चीं-चीं करके सबको अपना,
सुन्दर गीत सुनाऊँ।।

माँ बोली सुन मेरे नन्हें
नित्य करो अभ्यास।
दूर व्योम में उड़ने की फिर,
पूरी होगी आस।।

रचना -
दीपा गुप्ता
सहायक अध्यापक
प्राथमिक विद्यालय बराखेमपुर
बी० के० टी०, लखनऊ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3238

दिनांक- 20.10.2021 दिन- बुधवार

हुआ सवेरा

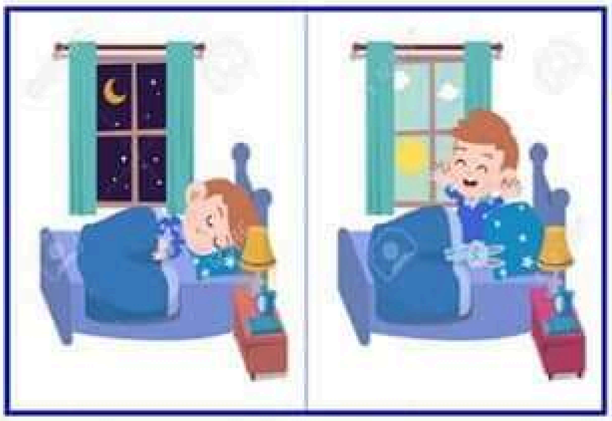

हुआ सवेरा, चिड़ियाँ चहकी,
भागा चन्दा ले अपना रथ।
चन्दा मामा को देख भागता,
सारे तारे भागे झटपट।।

सूरज दादा जाग गए,
खोल दिये खिड़की के पट।
देख सुबह की लाली को,
तिमिर भी कैसे दौड़ा सरपट।।

माँ भी जाग गयी है संग में,
करने लगी है घर में खटपट।
दादी- दादा जाग गए सब,
मुन्ना भी जब जाता है उठ।।

माँ मुझे जगाती है फिर,
उठ जा मेरे प्यारे नटखट।
बज जाएगी स्कूल की घण्टी,
समय से जाओ, देर करो मत।।

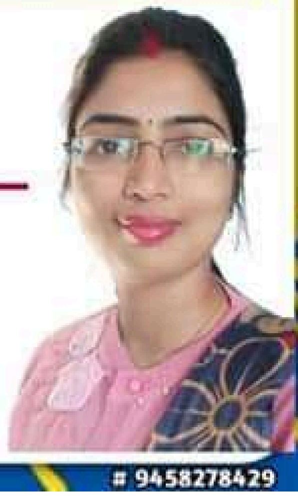

रचना-
अनुपमा यादव (स० अ०)
प्रा० वि० जिरसमी (प्रथम)
शीतलपुर, एटा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3239

दिनांक- 20.10.2021 दिन- बुधवार

हम हैं अच्छे बच्चे

नन्हें-मुन्ने हम हैं बच्चे,
काम करेंगे अच्छे-अच्छे।
आपस में हम कभी न लड़ते,
हिम्मत से हम आगे बढ़ते।।

मन पढ़ने में सदा लगाते,
सही समय पर विद्यालय जाते।
बड़ों का आदर करते,
कभी किसी से नहीं हैं लड़ते।।

माता-पिता का कहना मानते,
गृहकार्य सबसे पहले करते।
घर में सबका ध्यान रखते,
माँ साथ भी हाथ बँटाते।।

स्वच्छता का ध्यान भी रखते,
पर्यावरण को स्वच्छ बनाते।
नन्हें-मुन्ने हैं हम बच्चे,
काम करेंगे अच्छे-अच्छे।।

रचना-
कु० अनुष्का बहुगुणा(छात्रा)
कक्षा-5
रा० प्रा० वि० जैली
ब्लॉक-जखोली, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

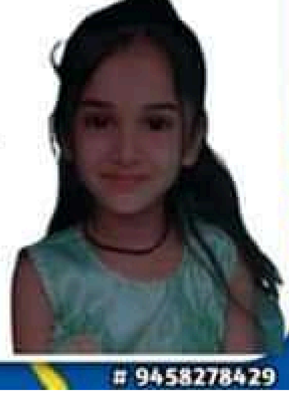

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3240

दिनांक- 20-10-2021

दिन- बुधवार

घर

ये तेरा घर, ये मेरा घर,
हम सब का प्यारा घर।
खुशियों की सौगात घर,
यादों की किताब घर।।

अम्मा-बाबा की उम्मीद घर,
मम्मी-पापा का प्यार घर।
भाई-बहन की तकरार घर,
रिश्तों की महक घर।।

रीति-रिवाज, त्योहार घर,
संस्कारों की शाला घर।
आशीर्वाद की दुशाला घर,
हिम्मत और पहचान घर।।

सहयोग की भावना सिखाता घर,
अपनों को अपनो से मिलाता घर।
ईश्वर का होता वरदान घर,
मेरे सपनों की उड़ान घर।।

रचना- प्रियंका गौतम (प्र०अ०)
स० वि० (बालिका) एत्मादपुर
एत्मादपुर, आगरा

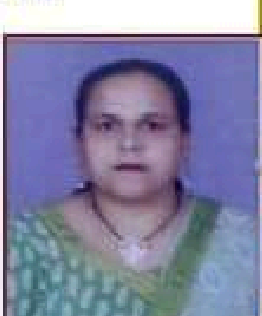

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3241

दिनांक- 20/10/2021दिन-बुधवार

सीख बड़ों की मानिए

सीख बड़ों की मानिए,
अनुभव की हर बात।
मन की मानी मत करो,
दिवस, साँझ, हर रात।।

मात-पिता को मान दो,
समझो उनके भाव।
जिनसे नित उत्थान हो,
बढ़ता सदा प्रभाव।।

निज मन से जो भी करो,
सदा बढ़ावै शान।
करम सहज साँचा करो,
होवै नित कल्याण।।

सदा भलाई कीजिए,
बने भली पहचान।
बुरा कभी मत कीजिए,
बनिये सफल महान।।

पालक देते सब तुम्हें,
सह सह कष्ट तमाम।
श्रद्धा हृदय में राखिए,
जीवन भर अविराम।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना
सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
प्रा० वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3242

दिनांक- 20-10-2021 दिन- बुधवार

शरद ऋतु

आयी शरद ऋतु मतवाली,
मन को वह लुभाने वाली।
कूलर और पंखे गुम हो गये,
कुल्फी वाले भैया खो गये।।

मम्मी ताले खोल रही हैं,
स्वेटर, जर्सी खोज रही हैं।
मूंगफली दस्तक दे रही हैं।
गीजर की सेटिंग हो रही हैं।।

फिर सर्दी भी आ जायेगी,
कोहरा, पाला भी लायेगी।
शरद हवा भी लहरायेंगी,
तन को भी वो ठिठुरायेंगी।।

सर्दी से सब घबराते हैं,
सूर्यदेव तक छुप जाते हैं।
तुमको ध्यान लगाना होगा,
सर्दी से बच जाना होगा।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना
दौलत कुमार
ए० आर० पी० (हिन्दी)
लोधा, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3243

दिनांक- 20/10/2021 दिन- बुधवार

निर्जीव

दो तरह की वस्तुएं,
पृथ्वी पर पायी जाती हैं।
प्रथम सजीव कहलाती हैं,
दूसरी निर्जीव मानी जाती हैं।।

नदी, तालाब, झील, समुद्र,
पहाड़, अग्नि, मिट्टी, आकाश।
मुरूम, शिला, रेत, चट्टानें,
निर्जीव के हैं सभी पहचान।।

मोटर, कार, साइकिल, गाड़ी,
मकान, महल, पुल, झोपड़ी।
हल, हँसिया, हथौड़ा, कृषि यन्त्र,
मानव जनित सभी निर्जीव यन्त्र।।

निर्जीव नहीं गति करते,
न ही वंश बढ़ाते।
वृद्धि नहीं निर्जीव को चाहिए,
न पोषण अपनाते।।

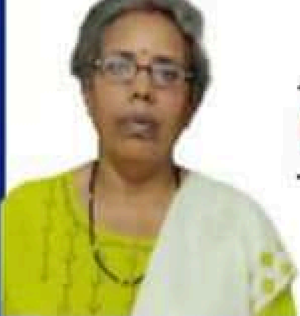

रचना-
अंजू गुप्ता (प्र0अ0)
प्रा0 वि0 खम्हौरा- प्रथम
महुआ, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3244

दिनांक- 20-10-2021 दिन- बुधवार

बेसिक के बच्चे

उल्लास है, उमंग है, उत्साह भी है,
बेसिक में भविष्य की परवाह भी है।
रुकने पर जम जाती है अक्सर गन्दगी,
बच्चों में निरन्तरता का एक प्रवाह भी है।।

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

जब पाते हैं वो अनेकों उपलब्धियाँ,
हम शिक्षकों को मिलता है सम्मान।
वो बच्चों की होती है कड़ी मेहनत,
उन पर होता है हमको भी अभिमान।।

मानते हैं वो हमको सिर्फ अपना,
पूरा करना है हमें उनका सपना।
दिखाना है सही रास्ता मंजिल का,
ना भटके वो हमें है ध्यान रखना।।

हुनर भी है, जज्बा भी है, शिद्दत भी है।
परिस्थितियों से लड़ने की ताकत भी है।
जिन मजबूरियों में टूट जाते हैं हम सब,
उनमें अभावों में जीने की हिम्मत भी है।।

रचना
अर्चना यादव (प्र०अ०)
प्रा० वि० परसू
सहार, औरैया

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3245

दिनांक- 20-10-2021 दिन- बुधवार

तारे

नभ में कितने तारे हैं?
झिलमिल करते तारे हैं।
सारे जग से न्यारे हैं,
लगते कितने प्यारे हैं?

दिन में ये छुप जाते हैं,
रात निकल झट आते हैं।
चमक-चमक कर मुस्काते हैं,
अपनी कथा सुनाते हैं।।

चन्दा की शीतल आभा में,
पूरी रात नहाते हैं।
आसमान में चहुँदिश फिरते,
आपस में बतियाते हैं।।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्राथमिक विद्यालय बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3246

दिनांक- 20/10/2021 दिन- बुधवार

सवेरा

सूरज दादा निकल पड़े,
चिड़ियों के दल फुदक पड़े।
चूँ-चूँ करके शोर मचाया,
मुर्गे ने भी बाँग लगाया।।

ठण्डी-ठण्डी हवा चली,
पौधों की है कली खिली।
भोरे उड़े हैं, फूलों पर,
तालाबों में बत्तखें चली।।

कृषक चले, खेतों की ओर,
बागों में बोले पपीहा, मोर।
मन्दिरों में हुआ शंख का शोर,
जागो-जागो हो गई भोर।।

बच्चों ने भी ली अंगड़ायी,
माँ ने भी आवाज लगायी।
जागो बेटा! जाना स्कूल,
प्रेम से मंजन, कुल्ला करना ना भूल।।

रचना

प्रेमचन्द (प्र०अ०)
कम्पोजिट वि० सिसौला खुर्द
जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3247

दिनांक- 21-10-2021 दिन- गुरुवार

नन्हा बीज

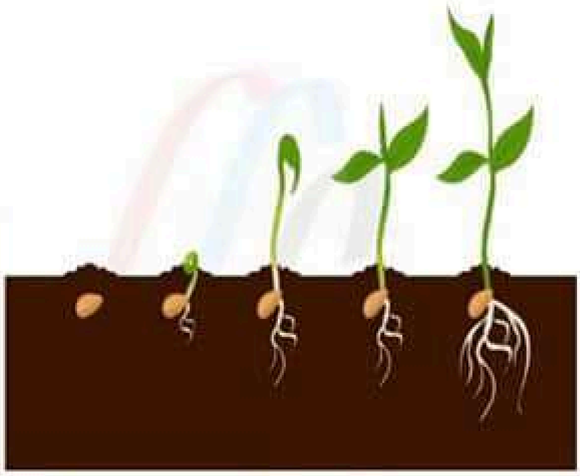

पका फल बना फिर बीज,
मिट्टी में फिर दिया गया सींच।
पानी मिला न सूरज उसको,
उग ना पाया फिर वह बीज।।

दादी आयी दी फिर सीख,
पानी दो और फिर लो सींच।
धूप सूरज की खूब दिखाओ,
हवा भी इसको खूब खिलाओ।।

खिल उठेगा नन्हा बीज,
खेल-खेल में सीखी सीख।
हवा, पानी, धूप, खाद से,
तभी उगता है नन्हा बीज।।

बीज से नन्हा पौधा बनता,
सूरज से किरणों को लेता।
भूमि से पानी वो पाता,
तभी अपना खाना बनाता।।

रचना
बृजेश सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० बीठना
लोधा, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3248

दिनांक- 21.10.2021 दिन-गुरुवार

बादल काका

बादल गरज रहे हैं गड़-गड़,
बिजली चमक रही है चम-चम।
पंखों को फैलाकर बोले मोर,
आओ नाचें गाएँ हम।।

बिजली कड़क रही है कड़-कड़,
पानी बरस रहा है झम-झम।
मेढक टर-टर करके बोले,
आओ उछल-कूद मचाएँ हम।।

ठण्डी-ठण्डी हवा चले मस्तानी,
लहराये पेड़ों की हर डाली।
घुमर-घुमर कर भँवरे बोले,
आओ मिल गुनगुनाएँ हम।।

पानी से भर गये ताल-तलैया,
बच्चे खुश हो नाचे ता-ता थैया।
कागज की नाव बनाकर बोले,
आओ नाव चलाएँ हम।।

रचना
शशि कुशवाहा (स०अ०)
क० वि० रामपुर घेरवा
बिसवाँ, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3249

दिनांक- 21.10.2021 दिन- गुरुवार

शरद पूर्णिमा

शरद पूर्णिमा की रात में फैला चहुँ ओर उजियारा,
सोलह कला से पूर्ण मयंक लगता कितना प्यारा।
महालक्ष्मी के अवतरण का है ये दिवस विशेष,
गरुड़ पर होके सवार करती माँ हर घर प्रवेश।।

धन-वैभव बरसाती माँ देती सबको वरदान,
सोता जो अन्धकार में वो रह जाता नादान।
आश्विन पूर्णिमा के दिन होता ये त्यौहार,
प्राकृतिक सौंदर्य का अनुपम उपहार।।

कौमुदी व्रत की है महिमा अपरम्पार,
सौम्यता से शोभित होता यह संसार।
विधु-किरणों से अमृत वर्षा होती,
चन्द्र त्राटक से बढ़ती नेत्र ज्योति।।

साँस सम्बन्धी रोगों को मिटाती,
आयुर्वेदिक शिक्षा है बताती।
सच्चे मन से करते पूजन,
महालक्ष्मी होती प्रसन्न।।

शीत ऋतु आगमन,
करती पारुल नमन।
चाँद की ये चाँदनी,
प्रखर सी रोशनी।
खीर का स्वाद,
बरसे आशीर्वाद।।

रचना
पारुल चौधरी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० हरचन्दपुर
खेकड़ा, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3250

दिनांक- *21/10/2021* दिन- *गुरुवार*

दिशाएँ

बच्चों तुमको आज बताएँ,
होती हैं बस दिशाएँ चार।
पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण,
यह सुन्दर सा इनका सार।।

जिधर उगा होता है सूरज,
वही दिशा कहलाए पूरब।
सूरज से जो पीठ दिखाए,
वो ही तो पश्चिम कहलाए।।

बायाँ हाथ किधर दो उत्तर?
वही दिशा कहलाती उत्तर।
जिधर हाथ दायाँ लहराए,
दक्षिण दिशा वही कहलाए।।

यही दिशाएँ हैं बस चार,
करना इन पर ज़रा विचार।
सूर्योदय और सूर्यास्त बताएँ,
चुम्बकीय क्षेत्र का ज्ञान कराएँ।।

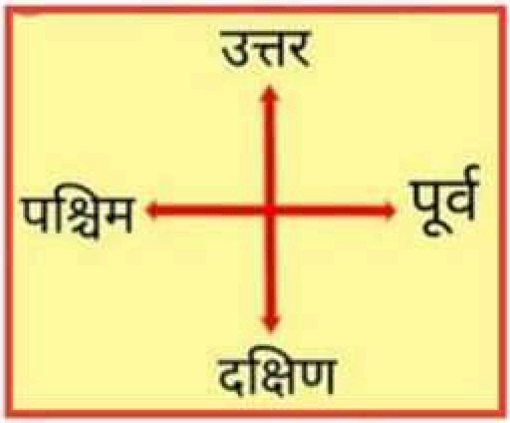

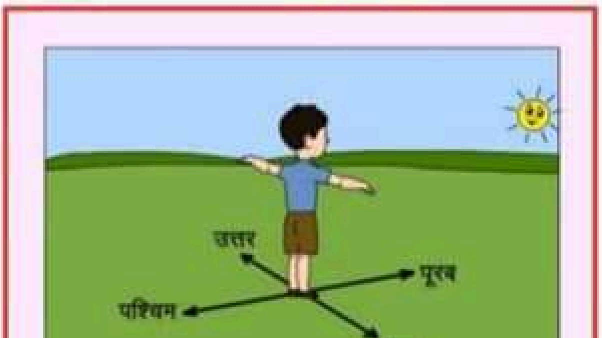

रचना -
फ़राह हारून "वफ़ा" (प्र०अ०)
प्रा० वि० मढ़ियाभांसी,
सालारपुर, बदायूँ

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3251

दिनांक- 21.10.21

दिन- गुरुवार

मैं तितली

मैं तितली हूँ, मैं तितली हूँ,
रंग-बिरंगे पंखों वाली।
आसमानों में उड़ जाने वाली,
बादल पर लहराने वाली।।

रंग-बिरंगे फूलों से मैं,
चुन पराग ले आती हूँ ।
मीठे-मीठे पराग कणों से
मैं अपनी प्यास मिटाती हूँ।।

बाग-बगीचों की शान बढ़ाती,
फूलों पर रंगत लाती हूँ।
गुन-गुन करती फिरती रहती,
पास किसी के ना आती हूँ।।

फूलों से बातें करती हूँ मैं,
संग उनके डोला करती हूँ।
बच्चे लगते प्यारे मुझको,
पर उन्हें देख डर जाती हूँ।।

रचना -
सनोबर फात्मा (स०अ०)
प्रा० वि० कब्बाखेड़ा
नगर क्षेत्र उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3252

दिनांक- 21/10/2021 दिन-गुरुवार

शरद ऋतु

कोहरे की चादर को ताने,
धूप सुनहरी लगी सुहाने।
ऋतुओं की रानी है आयी,
आयी देखो शरद ऋतु आयी।।

हरसिंगार की नन्हीं कलियाँ,
आपस में करती अठखेलियाँ।
मधुमालती फूलों से नहायी,
आयी देखो शरद ऋतु आयी।।

इस घर से उस घर तक जाती,
पकवानों की खुशबू आती।
त्यौहारों की मस्ती छायी,
आयी देखो शरद ऋतु आयी।।

कभी चौथ, कभी शरद पूर्णिमा,
आसमान पर छायी लालिमा।
रजनी भी, दिन सी मुस्कायी,
आयी देखो शरद ऋतु आयी।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना
स्नेह लता (स०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3253

दिनांक- 22.10.2021 दिन- गुरुवार

मेरा ईमान हैं बेटियाँ

सच पूछो तो हम सब की,
गिरेबान हैं बेटियाँ।
महसूस करें जो दिल से इन्हें,
मानव जाति की पहचान हैं बेटियाँ।।

ममता, ममत्व, धैर्य, कोमल,
भावनाओं की खदान हैं बेटियाँ।
दिल में बिठा कर रखो तो,
इक वरदान हैं बेटियाँ।।

दिल से करो ओझल तो,
बस इक अरमान हैं बेटियाँ।
जिसमें दिखे प्रतिबिम्ब हमारा,
वह दर्पण है बेटियाँ।।

जो कल्पनाओं को परिभाषित करें,
वो साक्षात्कार हैं बेटियाँ।
हमारी अनुभूति, परिकल्पना, सौहार्द,
सर्वस्व, सम्पूर्ण आलोक हैं बेटियाँ।।

रचना-
बीना रजवार (स० अ०)
रा० प्रा० वि० धानाचूली नवीन,
धारी, नैनीताल

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3254

दिनांक- 21/10/2021 दिन- गुरुवार

वाल्मीकि जयन्ती

आदिकवि ब्रह्मर्षि वाल्मीकि,
संस्कृत रामायण के रचनाकार।
त्रिकालदर्शी प्रकाण्ड ज्ञानी,
नमन हमारा करो स्वीकार।।

दस्यु रत्नाकर के रूप में,
लूटपाट का काम किया।
क्या है परिवार पाप का भागी?
नारद मुनि ने प्रश्न किया।।

सत्य जानकर हुआ अधीर,
नारद मुनि धैर्य धराए।
राम नाम का दे उपदेश,
प्रायश्चित मुनिराज सुझाए।।

मरा-मरा का जाप कर,
तपस्या में यूँ लीन हुए।
रत्नाकर बने वाल्मीकि तब,
राम-चरित्र प्रस्तुत किए।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी- 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3255

दिनांक- 22/10/2021 दिन- शुक्रवार

कर्म के दोहे

मन से हारे हार है,
मन के जीते जीत।
साहस हिय ऐसा धरो,
जगत कहे अभिजीत।।

धरम करो तो पुण्य है,
करम अधरमहिं पाप।
जैसी करनी कर रहे,
वैसा भोगो आप।।

चलो लक्ष्य ले पन्थ पे,
विघ्न तोड़कर आप।
इक दिन चाहा जो मिले,
मिटे सकल सन्ताप।।

दीपक जैसे तुम बनो,
करो नित्य उजियार।
अन्दर उजली ज्योति हो,
उज्ज्वल हो संसार।।

रचना
रश्मि शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० विशुननगर
खैराबाद, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3256

दिनांक- 22/10/2021 दिन- शुक्रवार

गणेश चतुर्थी

प्रथम निमन्त्रण आपको, हे गणपति जी महाराज।
भाद्र मास की चौथ है, आन विराजो आज।।

विघ्न विनाशक, मंगलकारक, श्री गणपति जी महाराज।
हाथ जोड़ वन्दन करें, पूर्ण कीजो काज।।

विघ्न हरो गौरी नन्दन, आव्हान तुम्हारा करते।
नैया के तुम खेवनहार, पतवार सम्भाला करते।।

विद्या, बुद्धि प्रदान करो, रिद्धि-सिद्धि के स्वामी।
विनय करें स्वीकार करो, सद्गुणों के स्वामी।।

मोदक भोग अति प्रिय आपको, मूषक संग आन विराजो।
श्रद्धा, प्रेम-भाव से, मन मन्दिर में आप विराजो।।

एकदन्त, दयावन्त, तुम चार भुजा धारी।
कलम और दवात से, तुम भाग्य के लेखन हारी।।

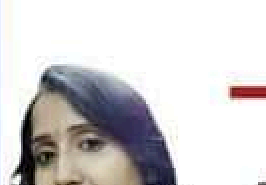

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना
रचना रानी शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8), नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3257

दिनांक- 22/10/2021 दिन- शुक्रवार

झूठ और सच

जीवन के स्तम्भ दो ही,
एक झूठ इक साँच।
एक शीतलता नीर की,
एक भानु की आँच।।

झूठ जो बोला गया,
करता किसी का हित।
सच बोलन से पर बचो,
करे किसी का अहित।।

साँचा व्यक्ति सीप सा,
चमके मोती दर्प।
झूठ एक फुँकार है,
झूठा विषधर सर्प।।

सच ही केवल धर्म हो,
वह सतयुग था यार।
झूठ जरूरत अब बना,
चले नहीं संसार।।

पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, अलीगढ़

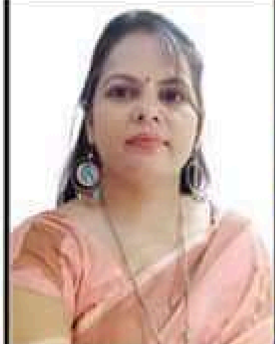

मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण
काव्यांजलि दैनिक सृजन
3258
दिनांक- 22/10/2021 दिन- शुक्रवार

कलह

कक्षा में एक लड़का बैठा, होकर बड़ा मायूस,
पास जाकर मैंने पूछा, "क्या हुआ बेटा आयुष?"
आँखो में आँसू उसके, थी चेहरे पर उदासी,
लगा, प्यार भरी बातें ही होंगी उसके लिए दवा-सी।।

बोला, मैडम! मैं पढ़ना चाहता हूँ,
मुझे घर की कलह पढ़ने नहीं देती।
पापा-मम्मी की रोज की लड़ाई,
कभी मुझको खुश होने नहीं देती।।

मैं भी खुश होना चाहता हूँ,
मैं भी कुछ बनना चाहता हूँ।
पढ़-लिख कर औरों की तरह,
मैं अच्छा जीवन जीना चाहता हूँ।।

हे भगवन! मुझ पर कर तू ये उपकार,
दे दे तू मुझको, मेरे सारे अधिकार।
हँसी-खुशी रहे मेरा छोटा-सा परिवार,
ताकि मेरे सारे सपने हो जाएँ साकार।।

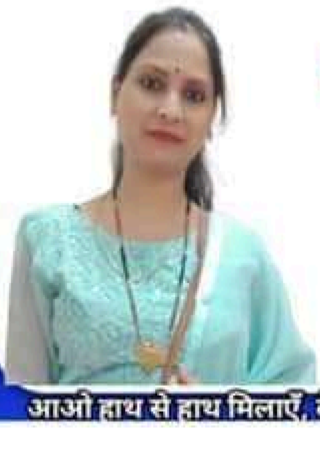

रचना-
आरज़ू पाण्डेय(स०अ०)
प्रा०वि०शीतलपुर
जनपद- एटा

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ
9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3259

दिनांक- 22-10-2021

दिन- शुक्रवार

पेड़ लगाओ

पेड़ों को अब तुम मत काटो,
इन्हें लगाकर खुशहाली बाँटो।
पेड़ हमें ऑक्सीजन हैं देते,
विषैली गैसों को यह हर लेते।।

पेड़ों से ही घनघोर वर्षा है होती,
मिट्टी से सौंधी-सौंधी खुशबू आती।
फल और फूल भी यह देते हमको,
बाढ़ और प्रदूषण से बचाते सभी को।।

देखो इनके बहुत से फायदे,
जीवन जीने की कला सिखलाते।
मिट्टी के कटाव को यह बचाएँ,
पक्षी इन पर घोंसला बनाते।।

ईश्वर का वरदान हैं पेड़,
वातावरण की शान हैं पेड़।
धरती कर रही यही पुकार,
पेड़ लगाओ हर तीज-त्योहार।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3260

दिनांक- 22-10-2021 दिन- शुक्रवार

आशा के पंख

तर्ज- जनम-जनम का साथ है

कभी न पाए मन्जिल वो,
जो खुद से ही हारा।
चलना ही जीवन है प्यारे,
चलना धरम हमारा।।

मुश्किल आएँ हजारों,
पर हम हिम्मत ना हारें।
लाएँ ना निराशा मन में,
आशा के पंख पसारें।।

मिली सफलता उन्हें सदा ही,
जिसने तन-मन है वारा।।
चलना ही जीवन है प्यारे,
चलना धरम हमारा।।

अपने हों या पराए,
है सबको गले लगाना।
दुःख दर्द बाँट लें सबके,
और सबको है हँसाना।।

मिलेंगी दुआएँ तुझे हजारों,
जो बनोगे किसी का सहारा।
चलना ही जीवन है प्यारे,
चलना धरम हमारा।।

रचना
सपना (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय उजीतीपुर
भाग्यनगर, औरैया

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3261

दिनांक- 22-10-2021 दिन- शुक्रवार

बेटी की पसन्द

मुझे भी कुछ बहुत,
पसन्द है मम्मी।
प्यारी माँ और पापा,
मुझे पसन्द है मम्मी।

बुआ जी का आना,
मौसी जी का आना।
नानी के घर जाना,
मुझे पसन्द है मम्मी।।

चाचा स्कूल से लेकर आते,
मामा मुझे मेले में घुमाते।
चाचा-मामा से जिद करना,
मुझे पसन्द है मम्मी।।

दिवाली के वह दिये,
होली का गुलाल।
राखी में भाई-बहन प्यार,
मुझे पसन्द है मम्मी।।

रचना- स्वाति सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० विद्यालय ककुआ
बरौली अहीर, आगरा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3262

दिनांक- 22/10/2021 दिन- शुक्रवार

सूरज की किरणें

सूरज कितना प्यारा है,
जग को देता उजियारा है।
रात भर सो जाता है,
दिन पर उजाला करता है।।

जब-जब रात होती है,
टिम-टिम तारे करते हैं।
चन्दा चमके, मोती बरसे,
सूरज को हम नहीं देखते।।

सुबह सवेरे चिड़ियाँ चहकी,
सूरज की किरणें आ दमकी।
मन को अति भली लगती,
दोपहर में तो गरमी देती।।

जैसे-जैसे सूरज जाता,
अन्दर-बाहर ठण्डा हो जाता।
सूरज ही तो अपनी किरणों से,
धरती को सुन्दर कर जाता।।

रचना-
माधव सिंह नेगी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० जैली,
ब्लॉक- जखोली, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3263

दिनांक- 23/10/2021 दिन-शनिवार

अनाज पहेलियाँ

1-

शुष्क और शीत जलवायु में होता,
सोने-सा रंग मेरा।
रोटी बनती मीठी-मीठी,
नाम बताओ शेरा।।

2-

खिचड़ी, पोहा, लाई, पुलाव,
डोसा, इडली, खीर बनाते।
नम और गर्म जलवायु में उगता,
बोलो मुझको क्या बुलाते?

3-

कच्चा खाते, पकाकर खाते,
भून, उबालकर मुझको खाते।
दलहन की मैं फसल कहाता,
अंकुरित चाट से सबको लुभाता।।

4-

मैं हूँ पीली-पीली दाल,
चार अक्षर का नाम कमाल।
सर्दी के मौसम में उगती,
लकड़ी सूखा ईंधन बनती।।

उत्तर- 1- गेहूँ 2- चावल 3- चना 4- अरहर

रचना

शिक्षा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3264

दिनांक- 23-10-2021 दिन- शनिवार

बुराई पर अच्छाई की जीत

लंका का राजा रावण था,
बहु-विधाओं का ज्ञाता था।
पुलस्त्य मुनि का पोता,
राक्षस कुल में क्रूर था।।

करके कठोर तप जिसने,
शिव जी से वर पाया था।
त्रिलोक विजयी बनकर,
वह पृथ्वी पर इतराया था।।

चार वेद का ज्ञाता रावण,
नारी पर कुदृष्टि रखता था।
सीता सती को हर ले गया,
तो राक्षस कुल का नाश हुआ।।

शिक्षा हमको यही मिली है,
कि नारी का सम्मान करें।
युग-युग की दैवीय शक्ति का,
कभी नहीं अपमान करें।।

रचना
अनुपमा जैन (स०अ०)
उ० प्रा० वि० मौहकमपुर,
इगलास, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3265

दिनांक- 23.10.2021 दिन- शनिवार

चन्दा मामा

चन्दा मामा आसमान में रहते हो,
तुम कितने सुन्दर दिखते हो।
हमें भी अपना घर दिखाओ,
आसमान की सैर कराओ।।

तुम खाने में क्या खाते हो,
कभी बड़े कभी छोटे बन जाते हो।
कभी दिखो कभी छुप जाओ,
हमें भी यह जादू सिखाओ।।

दिन में कहाँ छुप जाते हो,
कहीं नजर नहीं आते हो।
क्या सूरज से लड़ाई है,
या दिन में सो जाते हो।।

गगन में और भी तारे हैं,
पर तुम सबसे न्यारे हो।
रात्रि की कालिमा दूर भगाते हो,
इसलिए चन्दा मामा कहलाते हो।।

रचना
डॉ० भावना जैन (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढाएँ

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3266

दिनांक- 23/10/2021 दिन- शनिवार

फिर जब स्कूल खुला

छः दिन छः माह वर्ष एक था,
तब जाकर स्कूल खुला।
तपते मन को यूँ लगा,
छू गया इक हवा का झोंका-सा।।

कानों में मिश्री-सी घुली गयी,
खुलने की खबर जो मिल गयी।
ना पूछो आलम उस मन का,
उन्मुक्त पंछी वो बना गगन का।।

लगे ढूँढने कापी पेन्सिल,
बस्ते की भी ली अब सुध-बुध।
लगे चमकने कपड़े, जूते,
खबर जब आयी स्कूल खुले।।

21 सितम्बर 21 का दिन,
जब हम सब स्कूल गये।
ना हो ये आलम कभी फिर,
सब मिलकर दुआ कर रहे।।

रचना-: मंजू बाला (स०अ०)
रा० प्रा० वि० च्यूरानी
बाराकोट, चम्पावत

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ
9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

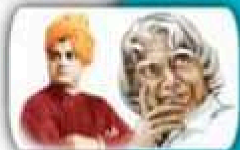

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3267

दिनांक- 23-10-2021 दिन- शनिवार

छोटी-सी चिड़िया

मैं हूँ एक छोटी-सी चिड़िया,
मैं उदक-फुदक भी करती हूँ।
कभी इधर और कभी उधर,
एक जगह नहीं रुकती हूँ।।

छोटे बच्चे जो पकड़ना चाहें,
पर हाथ न उनके लगती हूँ।
चीं-चीं की आवाज लगाती,
फुर्र-फुर्र करके मैं उड़ती हूँ।।

छोटे-छोटे से कुछ दानों को,
मैं चुग-चुग कर ही खाती हूँ।
जब मिलता है ठण्डा पानी,
उछल कूद फिर करती हूँ।।

मैं इतनी मनमोहक लगती,
सबके मनों को हरती हूँ।
छोटे-छोटे पंखों से अब मैं,
घर-घर में घूमा करती हूँ।।

रचना
सुनील कुमार (स० अ०)
उ० प्रा० विद्यालय जौंरा,
औरैया

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ
9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3268

दिनांक- 23-10-2021 दिन-शनिवार

रंगोली

आने वाला है दीवाली का त्योहार,
सारे बच्चे हो जाएँ तैयार।
रंगोली के बनाएँगे कई प्रकार,
त्रिभुज, चौकोर और गोलाकार।।

तीन रेखाओं से बन्द आकृति,
बनाकर भर दें रंग प्राकृत।
सतरंगी रंगोली सजाकर,
घर को बनाएँ सुन्दर आकर्षक।।

चार रेखाएँ मिलाकर बनाएँ,
सुन्दर-सा आलेखन सजाएँ।
रंग भरी रंगोली देखकर,
सभी के मन प्रसन्न हो जाएँ।।

गोल आकृति एक बनाकर,
सुन्दर-सा एक चित्र सजाकर।
रंग-बिरंगी रंगोली बनाएँ,
घर में ढेरों खुशियाँ लाएँ।।

रचना-

निहारिका वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8) भूपालपुर,
निधौली कलाँ, एटा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3269

दिनांक- 23-10-2021 दिन- शनिवार

मेरा स्कूल

मेरा सुन्दर-सुन्दर स्कूल,
रहती इसमें गन्दगी न धूल।
हम स्कूल में पढ़ते हैं,
समय पर काम करते हैं।।

गाँव के अन्दर है स्कूल,
जाना पड़ता हमें न दूर।
स्कूल में सुन्दर लगे हैं फूल,
मेरा सुन्दर-सुन्दर स्कूल।।

छात्रा- प्रिया देवी (कक्षा-6)
उ० प्रा० विद्यालय- भौंरी- 1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3270

दिनांक- 23-10-2021 दिन-शनिवार

त्योहार की खुशियाँ

त्योहार है खुशियों की डोर,
इनके आने से छा जाता है घरों में उल्लास।
जब मनाते हैं हम इनको,
भरते हैं मन में प्रकाश।।

होली, दिवाली, रक्षाबन्धन,
और भी है बहुत अवसर पावन।
होली है रिश्तों का त्योहार,
बनते होली पर बहुत से पकवान।।

दिवाली है दीपों का त्योहार,
इस दिन होता लक्ष्मी पूजन।
आये थे इस दिन राम जी,
काटकर चौदह वर्षों का वनगमन।।

रक्षाबन्धन है भाई-बहन का पर्व,
इस दिन बाँधती है बहन, भाई को राखी।
वचन देता है भाई, बहन को,
रक्षा करूँगा मैं तुम्हारी सदा ही।।

रचना
कु० भूमिका (छात्रा)
मार्गदर्शन - ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3271

दिनांक- 25.10.2021 दिन-सोमवार

दोस्त

ऐ दोस्त! तेरी दोस्ती न भुला पाएँगे,
बदले सारा जग,पर हम न बदल पाएँगे।
अपनी दोस्ती का नहीं है,कोई मोल,
चाहे तोलो हीरे मोती अनमोल।।

कभी हँसकर, तो कभी नाराजगी से डाँटा तुमने,
कभी रुलाकर तो कभी रूठकर मनाया तुमने।
कभी मेरी कमियों को रेखाँकित किया तुमने,
मेरी अच्छाइयों को भी अंकित किया तुमने।।

कभी बन जाते हो, चिर विरोधी मेरे,
तो कभी बन जाते हो सहयोगी मेरे।
कभी जताते हो तुम माँ सा प्यार,
तो कभी देते हो पिता सा दुलार।।

मुझको मुझसे है मिलाया तुमने,
गिरकर उठना है सिखाया तुमने।
तुमको पाकर पा लिया सारा संसार,
अब न रही किसी ख्वाहिश की दरकार।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना
नम्रता मौर्या (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० पचुरखी
बिसवाँ, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3272

दिनांक-25/10/2021 दिन- सोमवार

बरखा रानी

आयी बरखा बहार,
लेके मस्तानी फुहार।
मन खेले हिण्डोला,
करे पंछी किलोल।।

लगी मन में लगन,
छायी खेतों में बहार।
तरू गाये मल्हार,
नदियाँ बहे हर-हर।।

तन-मन हर्षित हुआ,
दिल कल्पित हुआ।
मेघो! बरसो घमा-घम,
धरा नहाये छमा-छम।।

झरने गिरे झर-झर,
धरती झूमे मस्तानी।
कहने लगी ये कहानी,
आयी बरखा रानी।।

रचना-
बीना रजवार (स० अ०)
रा० प्रा० वि० धानाचूली
नवीन,
धारी, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान,
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

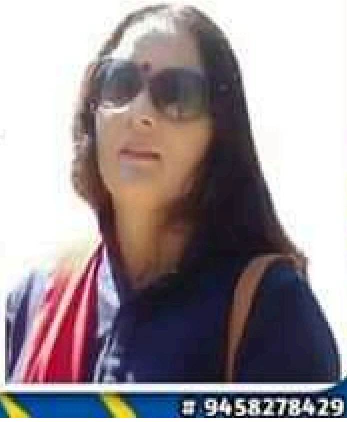

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3273

दिनांक- 25/10/2021

दिन- सोमवार

नदी किनारे

आओ चलें नदी किनारे,
बसे हैं कौन शहर जानें।
यमुना नदी किनारे है आगरा,
गंगा नदी किनारे है पटना।।

अलकनन्दा नदी किनारे बद्रीनाथ,
मूसी नदी किनारे है हैदराबाद।
सतलुज नदी किनारे फिरोजपुर,
नर्मदा नदी किनारे है जबलपुर।।

चम्बल नदी किनारे है कोटा,
सरयू नदी किनारे अयोध्या।
हुगली नदी किनारे है कोलकाता,
कृष्णा नदी किनारे विजयवाड़ा।।

झेलम नदी किनारे है श्रीनगर,
ब्रह्मपुत्र नदी किनारे डिब्रूगढ़।
महानदी किनारे है सम्बलपुर,
भीमा नदी किनारे पंढरपुर।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना:- रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3274

दिनांक- 26/10/2021 दिन- सोमवार

हमारी नैतिक जिमेदारी

समय का बच्चों को महत्त्व बताएँ,
समय बहुत कीमती, ज्ञान कराएँ।
बीता समय फिर वापस ना आये,
समय से करें सारे काम, समझाएँ।।

अच्छे-बुरे का हो सबको ज्ञान,
सच-झूठ का भेद लें जान।
बुराई को खुद पहचानें,
सच्चाई के बारे में जानें।।

बड़ों का आदर करना सिखाएँ,
नमस्ते का उनको महत्त्व बताएँ।
मन से करें सबका सम्मान,
तभी बनेगा जीवन महान।।

होते बेटा-बेटी एक समान,
इसका भी कराएँ हम ज्ञान।
दोनों करें एक-दूजे का सम्मान,
तभी होगा अच्छे समाज का निर्माण।।

रचना- रीना कुमारी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

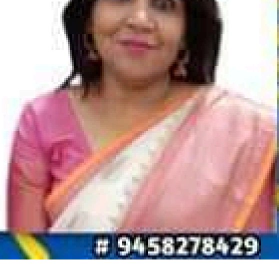

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3275

दिनांक- 25/10/2021 दिन- सोमवार

देश हमारा आजाद रहे

देश हमारा आजाद रहे,
हमेशा ही कामयाब रहे।
इस मिट्टी में हम सब खेले,
इस मिट्टी को सम्मान दें।।

इसी देश में जन्म लिये,
इसी देश में पले-बढ़े।
इस देश के लिए लड़ेंगे,
इस देश के लिए शहीद होंगे।।

एक दिन आना एक दिन जाना,
देश के लिए कुछ कर गुजर जाना।
देश हमारा आजाद रहे,
हमेशा ही कामयाब रहे।।

रचना
दुर्गा पाण्डेय (पूर्व छात्रा)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3276

दिनांक- 25-10-2021 दिन- सोमवार

गाँव का कुआँ

कुएँ का पानी मीठा-मीठा,
साफ-साफ और ठण्डा-ठण्डा।
रस्सी लेकर जाती नानी,
वापस लाती मीठा पानी।।

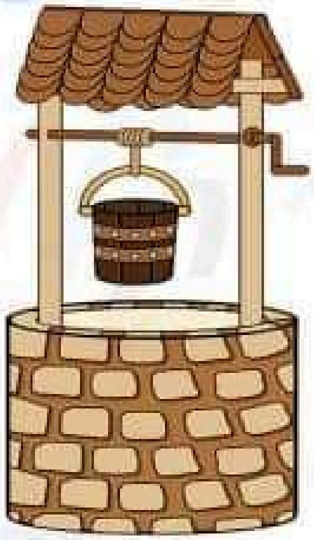

बात हमारी सदा रखना ध्यान,
जल का न करना अपमान।
कुएँ को रखना हमेशा साफ,
गलत कहा तो करना माफ।।

छात्रा- कनिष्ठा देवी (कक्षा-6)
उ० प्रा० विद्यालय- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

new text

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3277

दिनांक- 26/10/2021 दिन-मंगलवार

सरदार वल्लभभाई पटेल

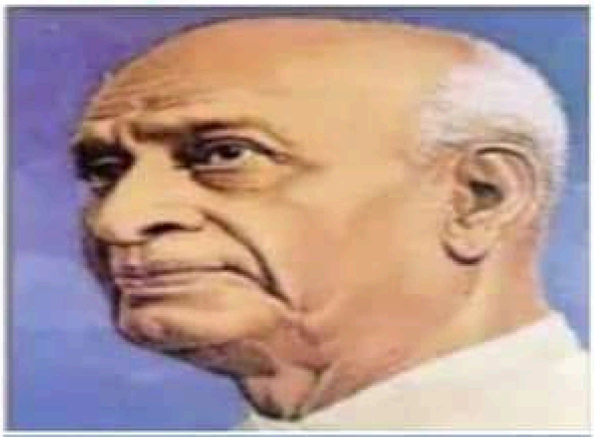

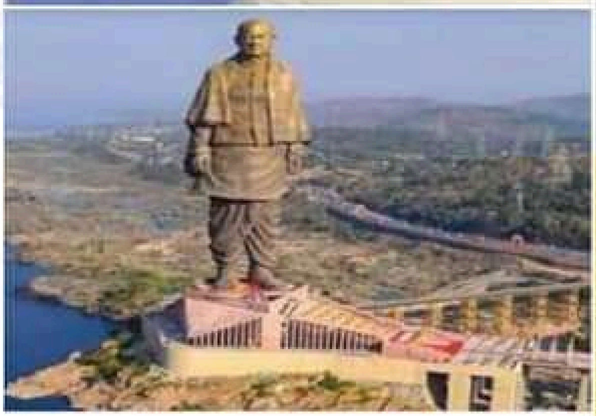

इकतीस अक्टूबर को देश में,
नवदीप जलाते हैं।
सरदार वल्लभभाई पटेल का,
जन्म-दिन मनाते हैं।
गुजरात राज्य का गाँव करमसद,
लिया जहाँ अवतार।
पिता झबेर भाई और,
माँ लाड़बाई का मिला प्यार।
'लौहपुरुष' की मिली उपाधि,
सबको दिया सम्मान।
बारदोली सत्याग्रह चलाकर,
अंग्रेजों का बन्द किया लगान।
आजाद देश के पहले,
गृहमन्त्री गये बनाये।
रियासतों का एकीकरण कर,
एकता की राह दिखाये।

रचना-
अनिल राजभर (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय बेलारी
पिण्डरा, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

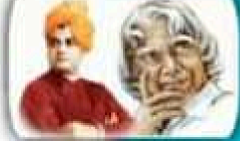

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3278

दिनांक- 26/10/2021 दिन- मंगलवार

भारी बस्ता

इतना भारी क्यों है बस्ता ?
इतना दूर स्कूल का रस्ता।
पढ़ने लिखने हम है जाते,
रोज नया सीख हम घर आते।।

घर में हम कहानी हैं पढ़ते,
स्कूल में हम कविता सीखते।
पढ़ाई के साथ-साथ मस्ती करते,
खेल-खेल में हम हैं पढ़ते।।

कम्प्यूटर रूम हम हैं जाते
पेण्टिंग हम खूब बनाते।
फिर हम घर चले आते,
अगले दिन स्कूल हैं जाते।।

जाते-जाते पैर हैं थकते,
रास्ते में हम कहीं न रुकते।
इतना भारी क्यों है बस्ता ?
इतना दूर क्यों! है रास्ता।।

रचना-
कु० मानसी रावत (छात्रा)
कक्षा- 6
रा० उ० प्रा० वि० पिपोला
ब्लॉक- जाखणीधार, टिहरी गढ़वाल

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3279

दिनांक- 26/10/2021 दिन- मंगलवार

चाँद

हिन्दू का भी चाँद,
मुस्लिम का भी चाँद।
बच्चों का भी चाँद,
बड़ों का भी चाँद।।

चाँद एक मनुहार है,
ईद का त्यौहार है।
यह प्रेम की बौछार है,
करवा चौथ का त्यौहार है।।

चाँद शीतलता की भावना,
है सुन्दरता की कामना।
कभी घटता, कभी बढ़ता,
करता सुख-दु:ख का सामना।।

कभी ईद का चाँद,
कभी चाँद सी सूरत।
कभी चौथ का चन्दा,
कभी चन्दा सी मूरत।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर (1-8)
परीक्षितगढ़, मेरठ

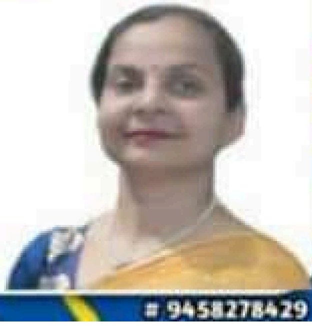

मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन
3280
दिनांक-26/10/2021 दिन- मंगलवार

मौसम और वस्त्र

हमारी आवश्यकताओं के रूप अनेक,
वस्त्र जरूरी उनमें से एक।
वस्त्र हमारे शरीर की शोभा बढ़ाते,
गर्मी, सर्दी, वर्षा से वो हमें बचाते।।

कपास से बनते वस्त्र सूती,
जो गर्मी में पहने जाते।
शरीर से निकले जो पसीना,
सूती वस्त्र झट से सोख जाते।।

सर्दी में पहनें ऊनी कपड़े,
शरीर को जो गर्म रख पाते।
स्वेटर, टोपी, मोजे, मफ़लर,
ऊन को हम भेड़ों से पाते।।

होती है जब बारिश छम-छम,
छाता और रेनकोट पहने जाते।
रबर या प्लास्टिक से जो बनते,
बारिश से तब हम बच पाते।।

रचना-
नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा० वि० समोखर,
निधौलीकलां, एटा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3281

दिनांक- 26-10-2021 दिन- मंगलवार

रेल की सैर

रेल चली भई रेल चली,
देखो सरपट दौड़ पड़ी।
बैठो जल्दी अभी खड़ी,
सीटें मखमल खूब बड़ी।।

बच्चे इसमें जाएँगे,
गीत खुशी के गाएँगे।
बिस्कुट, नमकीन खाएँगे,
हँस-हँस के बतियाएँगें।।

झाँसी, दतिया की सैर करेंगे,
बरुआ सागर घूमेंगे।
फल-फूलों के वृक्षों को ला,
घर, खेतों में लगाएँगे ।।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्राथमिक विद्यालय बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3282

दिनांक- 26-10-2021 दिन- मंगलवार

महर्षि वाल्मीकि

वाल्मीकि थे आदि कवि,
व्यक्तित्व बड़ा महान।
राम नाम की लिख कथा,
दिया धरा को ज्ञान। ।

संस्कृत भाषा में लिखी,
"रामायण" अनुपम कृति।
सार-सार को गह लो,
रखकर मन में धृति।।

तमसा नदी के तीर पर करने गये स्नान,
क्रौंच को मारा व्याध ने दुःख से हुए अधीर।
कविता बन निकली मुख उनके,
उस विहग की पीर।।

शाप दिया था व्याध को,
क्रौंच जोड़े से एक का,
किया है तुमने वध।
पा सको न प्रतिष्ठा,
अनन्त वर्षों तक।।

रचना
सरिता तिवारी (स०अ०)
उ० प्रा० विद्यालय कन्दैला
मसौधा, अयोध्या

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3283

दिनांक- 26.10.2021

दिन- मंगलवार

स्वच्छ भारत

बच्चों ने मिल कर ठाना है,
भारत को स्वच्छ बनाना है।
हर हाल में अब ये करना है,
नया इतिहास अब रचना है।।

ना रुकना है, न थमना है,
जो सोचा है, वो करना है।
हरे-भरे भारत का अब तो,
एक अभियान चलाना है।।

सोच में बदलाव लाना है,
पर्यावरण स्वच्छ बनाना है।
कुछ नया करके दिखलाना है,
पौधे खूब लगाना है।।

पॉलीथीन को न बोलना है,
कागज के थैले अपनाना है।
स्वच्छ हवा हो, स्वच्छ हो जल,
स्वर्णिम भविष्य बनाना है।।

रचना -
इंदु पाण्डेय (स०अ०)
मरौंदा मझवारा (कम्पोजिट)
सिकंदरपुर सरोसी, उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

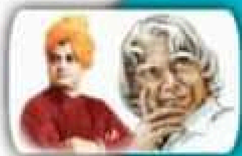

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3284

दिनांक-26-10-2021 दिन- मंगलवार

संसाधन युक्त कक्षा-कक्ष

सजी-धजी कक्षा यूँ बोली,
मुझे बनाओ अपनी हमजोली।
हर कोने से तुम सीखोगे,
नही फिर किसी से पीछे रहोगे।।

टी० एल० एम० भी तुम्हे सिखायेंगे,
दीक्षा एप अन्तरिक्ष पहुँचायेंगे।
गूगल रीड अलोंग एप बात करेगा,
खेल-खेल में खूब सिखायेगा।।

गणित किट में कितने खिलौने,
सीखना सुगम बनायें खिलौने।
चार्ट और पोस्टर को देखो,
इनमें जरा खोकर तो देखो।।

मिशन शक्ति की शक्ति यहाँ है,
मीना मंच की मीना यहाँ हैं।
बालवीर और मीना से,
सुसज्जित गाँव-गाँव यहाँ हैं।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना
प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
उ० प्रा० वि० वीरपुर छबीलगढ़ी
जवाँ,अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3285

दिनांक- 26/10/2021 दिन- मंगलवार

नानी के घर जाना है

नानी के घर जाना है,
जाना है, भई जाना है।
नानी के घर जाना है,
जाना है, भई जाना है।।

माना राग पुराना है,
पर नानी के घर जाना है।
उड़ती-उड़ती चिठ्ठी आयी,
नानी का सन्देशा लायी।।

याद तुम्हारी आती है,
नानी तुम्हें बुलाती है।
दुध-मलाई देती नानी,
मीठी लोरी गाती नानी।।

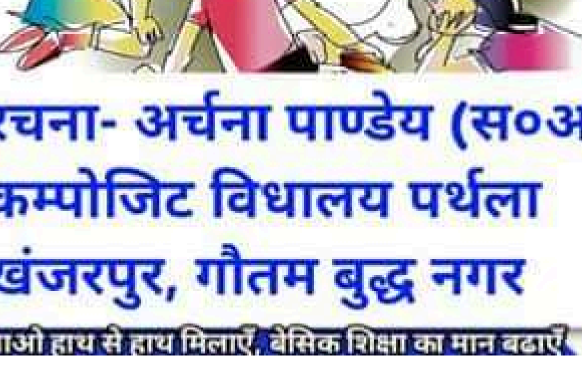

कहानी रोज सुनाती नानी,
उसकी गोद बहुत सुहानी,
जाना है भई जाना है,
नानी के घर जाना है।।

रचना- अर्चना पाण्डेय (स०अ०)
कम्पोजिट विधालय पर्थला
खंजरपुर, गौतम बुद्ध नगर

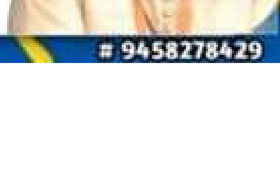

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3286

दिनांक- 26/10/2021 दिन- मंगलवार

हमारा प्रदेश

आओ अपने प्रदेश को जानें,
इसके प्रतीकों को पहचानें।
वृत्त में दो मछली, तीर कमान,
उत्तर प्रदेश राजकीय चिन्ह पहचान।।

राजकीय पक्षी प्रदेश का सारस,
जोड़े में अक्सर रहता सारस।
राजकीय वृक्ष है हमारा अशोक,
हर लेता है जन-जन के शोक।।

राजकीय मछली मोय-चीतल,
वैज्ञानिक नाम कहलाता चिताला।
राजकीय पुष्प है केसरिया पलाश,
टेसू व ढाक भी कहलाता।।

रचना-
अंजू गुप्ता (प्र०अ०)
प्रा० वि० खम्हौरा- प्रथम
महुआ, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3288

दिनांक- 27.10.2021 दिन- बुधवार

अमर रहे सिन्दूर तुम्हारा

अमर रहे सिन्दूर तुम्हारा,
अमर रहे माथे की बिन्दिया।
अमर रहे आँखों का काजल,
अमर रहे हार गले का।।

हाथों पर रंगीली चूड़ियाँ,
सदा खनकती आवाज रहे।
प्रेम व्रत है आज तुम्हारा,
पति का सदा साथ रहे।।

अमर रहे सिन्दूर तुम्हारा,
पति कष्टों से दूर रहे।
जीवन सदा हरा-भरा हो,
सदा सुहाग बना रहे।।

अमर रहे सिन्दूर तुम्हारा,
सुख-समृद्धि और शान्ति रहे।
पति की लम्बी उम्र रहे,
कृपा माँ की बनी रहे।।

रचना-
इन्दु भट्ट (स०अ०)
रा० प्रा० वि० रतनगढ़
जखोली, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3289

दिनांक- 27/10/2021 दिन-बुधवार

क्षण यह व्यर्थ न जाए

क्षण-क्षण गतिमय चलता जाता,
पग-चिन्ह बनाता बढ़ता जाता।
बलशाली कोई पकड़ न पाता,
समय स्वयं का मूल्य बताता।।

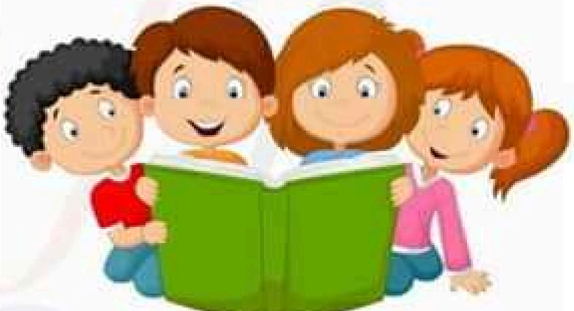

क्षण को जीकर क्षण पहचानों,
उपयोग समय का करना जानों।
कर प्रमाद जो समय गँवाता,
बैठा पीछे फिर पछताता।।

बहती कहती है नदी निरन्तर,
कभी न ठहरो, लक्ष्य भूलकर।
रात-दिवस हर आता-जाता,
दिनकर भी तो चलता जाता।।

क्षण की महिमा समझ सकोगे,
फिर तो क्षण के संग चलोगे।
क्षण ही सारा इतिहास बनाता,
गति ही जीवन है बतलाता।।

रचना
सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
प्रा० वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3290

दिनांक- 27.10.2021 दिन-बुधवार

माँ सरस्वती वन्दना

माँ सरस्वती, हँस वाहिनी,
वागेश्वरी, वीणा वादिनी।
करते स्तुति ज्ञान दायिनी,
माँ शारदे, माँ भारती।।

अपनी दया का दान दो माँ,
मुझको ऐसा वरदान दो माँ।
अपनी लेखनी से जो भी लिखूँ,
हृदय को सबके मैं छू लूँ।।

ज्ञान का प्रकाश हो उसमें,
सम्पूर्ण जीवन का सार हो उसमें।
तेरी दया का साथ हो उसमें,
माँ सरस्वती तेरा वास हो उसमें।।

करते स्तुति हे शारदे! तुम्हारी,
विनती सुन लो मात हमारी।
दे दो विद्या का ज्ञान तुम,
भर दो जीवन में ज्ञान का प्रकाश तुम।।

ऐसा प्रकाश जिसके तेज से,
सब तिमिर हो जाये गुम।
मेरे मन मन्दिर में माता,
ऐसी ज्योति जगा दो तुम।।

रचना
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3291

दिनांक- 27.10.2021 दिन- बुधवार

बेटी

बहुत ही प्यारी होती बेटी,
पापा की दुलारी बेटी।
सदा सुख बरसाने वाली,
सब को सदा हर्षाने वाली।।

बेटी को खूब पढ़ाओ,
पढ़ा-लिखा आगे बढ़ाओ।
बेटी का सदा करो सम्मान,
बेटी बढ़ाये जग में मान।।

बेटी है जग की जननी,
इसी से गृहस्थी चलनी।
बेटी है जग का आधार,
बेटी बिना जग बेकार।।

भ्रूण हत्या कभी न करना,
बेटी है फूलों का झरना।
बेटी है रत्न अनमोल,
बेटी को सदा मीठा बोल।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना
प्रेमचन्द (प्र०अ०)
कम्पोजिट वि० सिसौला खुर्द
जानी, मेरठ

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3292

दिनांक- 28.10.2021 दिन- गुरुवार

जीव-जन्तु और उनके आवास

मुर्गी का दड़बा होता Pen,
शेर की मांद होती है Den.
गाय गौशाला Cow shed,
भैंस का बाड़ा Cattle shed.

मकड़ी का जाला है Web,
भालू की गुफा है Cave.
कुत्ते का कुत्ताघर Kennel
घोड़े का अस्तबल Stable.

बन्दर का घर होता Tree,
Hive में रहती है Bee.
चिड़िया का घर होता Nest,
जिसमें करती है वह Rest.

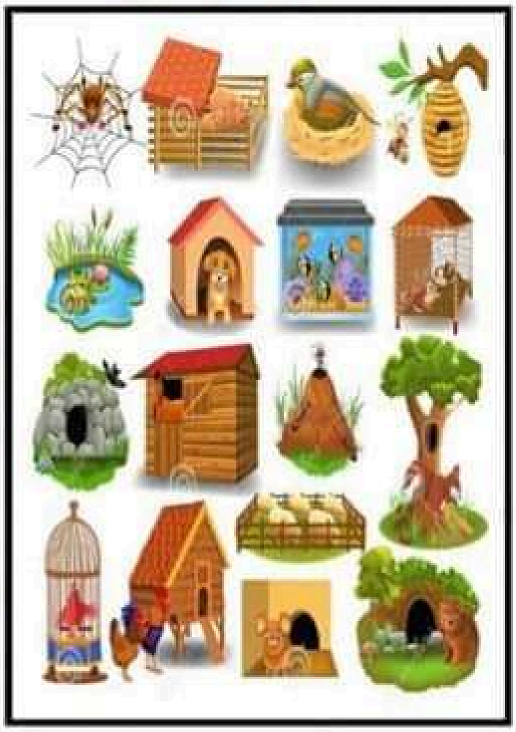

रचना-
अनुपमा यादव (स० अ०)
प्रा० वि० जिरसमी प्रथम,
शीतलपुर, एटा

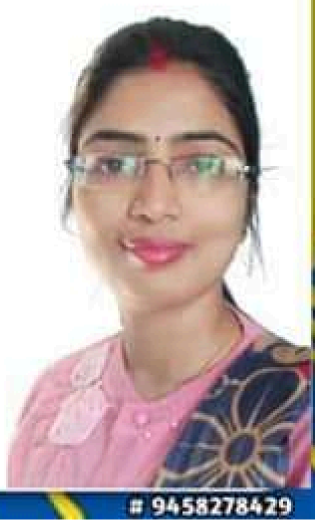

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3293

दिनांक-28/10/2021 दिन-गुरुवार

ठान लिया है

अब समय आ गया,
हम कुछ कर जाएँगे।
मेहनत होगी जी तोड़,
जग में छा जाएँगे।।

बहुत दिनों बाद अब,
पढ़ाई का समय आया है।
पढ़ेंगे हम जी भरकर,
यही सपना सजाया है।

अपना आज बनाएँगे,
कल फिर छा जाएँगे।
मिलजुलकर पढ़ेंगे,
सबकी मदद करेंगे।।

हिम्मत अब न हारेंगे,
जीत कर ही मानेंगे।
हम हैं बच्चे बेमिसाल,
सबका रखेंगे ख्याल।।

सृजन

भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० पिपरी नवीन,
मिश्रिख, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3294

दिनांक-28/10/2021 दिन- गुरुवार

नैतिक शिक्षा

भाग-2

पानी सदा स्वच्छ ही पीना,
सुन लो रजिया सुन लो मीना।
ठण्डा-बासी कभी न खाओ,
अपने आपको आप बचाओ।।

काली-पीली दालें खाओ,
लम्बे-तगड़े सब हो जाओ।
योग करो, करो व्यायाम,
तन-मन में हैं चारो धाम।।

मात-पिता की करना सेवा,
सब देवों में वो हैं देवा।
कम बोलो और ज्यादा सुनना,
पढ़े हुए पाठों को गुनना।।

वृक्षों के बन जाना मित्र,
जो करते हैं वायु पवित्र।
सुबह देर तक कभी न सोना,
वक्त कभी न यूँ ही खोना।।

रचना:-

दीप्ति कटियार (स०अ०)
क०वि०गढ़ी कटैया,लोनी
जनपद-गाजियाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3295

दिनांक- 28/10/2021 दिन- गुरुवार

पेड़ लगाओ

पेड़ों को अब, तुम मत काटो,
इन्हें लगाकर खुशहाली बाँटो।
पेड़ हमें ऑक्सीजन हैं देते,
विषैली गैसों को यह हर लेते।।

पेड़ों से ही घनघोर वर्षा होती,
मिट्टी से सोंधी-सोंधी खुशबू आती।
फल और फूल भी यह देते हमको,
बाढ़ और प्रदूषण से बचाते सबको।।

देखो इनके बहुत से फायदे,
जीवन जीने की कला सिखलाते।
मिट्टी के कटाव को यह बचायें,
पक्षी इन पर घोंसला बनायें।।

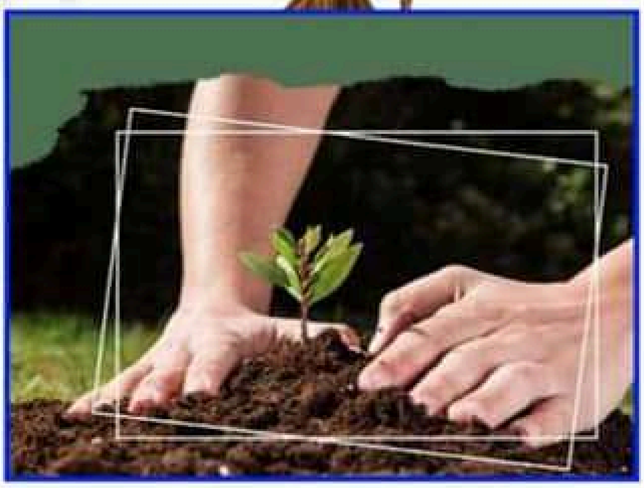

ईश्वर का वरदान हैं पेड़,
वातावरण की शान हैं पेड़।
धरती कर रही यही पुकार,
पेड़ लगाओ नित बारम्बार।।

रचना- नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना (1-8)
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3296

दिनांक- 28.10.2021 दिन- गुरुवार

संयुक्त राष्ट्र संघ

दो विश्व युद्धों से जग त्रस्त हुआ जब,
विश्व शान्ति की कामना जागी तब।
बड़े-बड़े देशों ने मिल सम्मेलन किया,
संयुक्त राष्ट्र संघ अस्तित्व में आया।।

लाया सभी राष्ट्रों को एक मंच पर,
सन् 1945 दिन 24 अक्टूबर।
युद्ध की कामना सबने त्यागी,
वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना जागी।।

अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति बनाये रखना,
सब देशों की सुरक्षा करना।
जरूरतमन्दों को सहायता देना,
मानवाधिकारों की रक्षा करना।।

विश्व कल्याण के कार्य करना,
इन सब उद्देश्यों से हुई स्थापना।
देने दुनिया को मजबूत भविष्य,
सतत विकास के निर्धारित किये लक्ष्य।।

रचना
भागीरथी पाण्डे (प्र० अ०)
रा० प्रा० वि० परमा,
वि०ख०- हल्द्वानी, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3297

दिनांक- 28-10-2021 दिन- गुरुवार

मतदाता जागरूकता अभियान

मतदाता से बनती सरकार,
मत देना मेरा अधिकार।
उम्र अठारह पूरी हो,
मतदान बहुत जरूरी हो।।

ईमानदारी से देंगे वोट,
ई० वी० एम० से देंगे वोट।
पुलिस प्रशासन होगी साथ,
फिर डरने की ना कोई बात।।

भारत निर्वाचन आयोग ELECTION COMMISSION OF INDIA

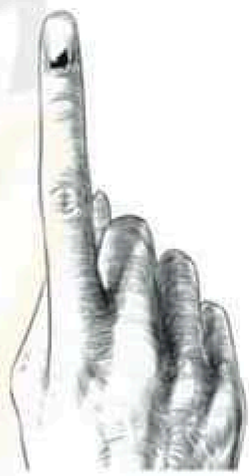

हम हैं सबसे सौभाग्यशाली,
मतदान की करें रखवाली।
सब मतदाता आगे आएँ,
भ्रष्टाचार ना होने पाये।।

घर से निकले बाहर आएँ,
मतदान की अलख जगाएँ।
सब मिलकर मतदान कराएँ,
शत प्रतिशत मतदान कराएँ।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना
अनुपमा जैन (स०अ०)
उ० प्रा० वि० मौहकमपुर,
इगलास, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3298

दिनांक- 29/10/2021 दिन-शुक्रवार

मसालों की पहेलियाँ

1*

जल से बनता, जल से मिटता,
भोजन को स्वादिष्ट मैं करता।
तीन अक्षर का नाम कहाऊँ,
भोजन में नमकीन बनाऊँ।।

2*

मैं रानी हूँ मसालों की,
रंग मेरा है पीला।
रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती,
भोजन बनाती सजीला।।

3*

मैं हूँ हरी, कभी हूँ लाल,
करती स्वाद में बड़ा कमाल।
तीखी-तीखी बड़ी सयानी,
खाकर मुझको माँगें पानी।।

4*

जीरा जैसी दिखती मैं,
लगती सबको मीठी मैं।
भोजन को पचाती हूँ,
बोलो क्या कहलाती हूँ?

5*

हरी-हरी मैं खुशबूदार,
और मसालों की मैं यार।
बीज मेरे सब पीसकर खाते,
पत्तियों से हर डिश को सजाते।।

उत्तर- 1-नमक 2-हल्दी 3-मिर्च 4-सौंफ। 5-धनिया।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3299

दिनांक- 29/10/2021 दिन-गुरुवार

प्रकृति

सृष्टि का आधार प्रकृति,
पृथ्वी का श्रृंगार प्रकृति।
पंच तत्वों का सम्मिश्रण,
महापुरुष का है सम्प्रेषण।।

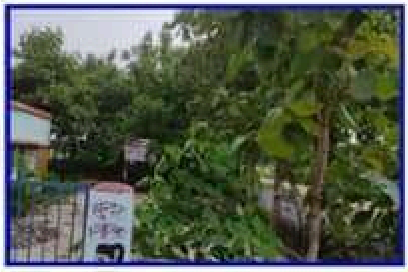

सत-रज-तम गुण किए समाहित,
पृथ्वी-अम्बर से आच्छादित।।
आकर्षक दृश्यों की सरताज,
कितने दबे हुए हैं राज।।

लोहित लावा लिए हुए है,
कोई छलावा किए हुए है।
रंगों की रसधार बही है,
सृष्टि-सूत्रधार वही है।।

पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

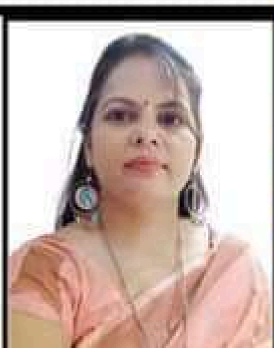

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3300

दिनांक- 29.10.2021 दिन- शुक्रवार

अखबार

रोज अखबार है घर में आता,
तरह-तरह की खबरें लाता।
दुनिया भर की सैर कराता,
हाल-चाल देश के बतलाता।।

अपना देश हो या हो विदेश,
अखबार देता हर खबर विशेष।
खेल-कूद हो या हो राजनीति,
अखबार बताता देश की रणनीति।।

खबर खुशी की या हो दुर्घटना,
अखबार में मिलती हर एक घटना।
पदक मिले या किया हो काम,
अखबार में होता सबका नाम।।

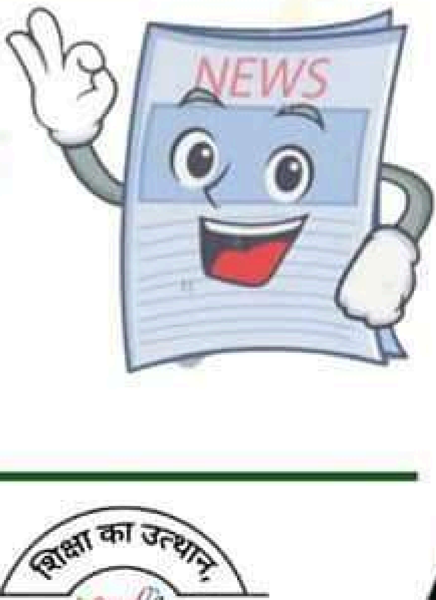

सन्धि कोई या हो युद्ध का खतरा,
अखबार सुलझाता हर एक मसला।
मौसम की गतिविधियां बतलाता,
धर्म-संस्कार का महत्त्व समझाता।।

रचना
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण, उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

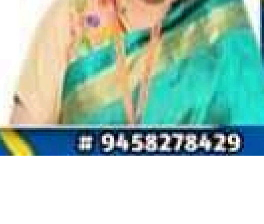

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक- दिन-

संकलन

मिशन शिक्षण संवाद

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।